■ वर्ष-23 ■ अंक-230
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

भोपाल

■ रविवार ■ 22 मार्च 2026

चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी
विक्रम संवत्-2083

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

माँ कूष्मांडा

सुरासम्पूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च।
दधानाहस्तपद्माभ्यां कुष्माण्डा शुभदास्तु में॥

श्री दुर्गाका चतुर्थ रूप श्री कूष्मांडा हैं। अपने उदर से अंड अर्थात् ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इन्हें कूष्मांडा देवी के नाम से पुकारा जाता है। नवरात्रि के चतुर्थ दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है। श्री कूष्मांडा कीउपासना से भक्तों के समस्त रोग-शोक नष्ट हो जाते हैं। इनकी आराधनासे मनुष्य त्रिविध ताप से मुक्त होता है। माँ कुष्माण्डा सदैव अपने भक्तों पर कृपा दृष्टि रखती है। इनकी पूजा आराधना से हृदय को शांति एवं लक्ष्मी की प्राप्ति होती हैं।

चुनाव प्रचार: प्रधानमंत्री मोदी और शाह ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए बनाया खास प्लान

नई दिल्ली। केरल विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भाजपा के प्रचार अभियान को धार देंगे। भाजपा केरल में ऐतिहासिक जीत हासिल करने के लिए अपने शीर्ष राष्ट्रीय नेतृत्व को मैदान में उतारकर पूरी ताकत से आक्रामक रुख अपना रही है। पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह और विभिन्न मुख्यमंत्रियों सहित अन्य वरिष्ठ नेता राज्य का दौरा करने वाले हैं, जो 140 सदस्यीय विधानसभा में अपना खाता खोलने के पार्टी के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करता है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी प्रमुख जिलों में दो तूफानी दौरे करेंगे, रैलियों को संबोधित करेंगे और कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे। भाजपा की चुनावी रणनीति कासरगोड, पलक्कड़, तिरुअनंतपुरम, कोल्लम और त्रिशूर जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क पर केंद्रित है। पार्टी को हाल के चुनावी लाभों से आत्मविश्वास मिला है, विशेष रूप से अभिनेता से राजनेता बने सुरेश गोपी की त्रिशूर लोकसभा सीट पर शानदार जीत, जहां उन्होंने 70,000 से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। इसके बाद दिसंबर में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने तिरुअनंतपुरम नगर निगम पर नियंत्रण हासिल कर लिया, जो उस राज्य में एक और उपलब्धि है।

प्रधानमंत्री ने ईद और नवरोज़ के पावन पर्व पर दी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

नई दिल्ली। पवित्र माह रमजान के तीस रोजे पूर्ण होने के बाद शनिवार को पूरे देश में ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही देश भर की मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा करने के लिए अकीदतमंदों का तांता लगा रहा, जिसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगकर मुबारकबाद दी। इस खास अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से देशवासियों को ईद और पारसी नव वर्ष नवरोज़ की विशेष बधाई दी। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में राष्ट्र में सुख, शांति और आपसी सद्भाव की भावना को सुदृढ़ करने पर बल दिया। ईद की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने लिखा, ईद-उल-फितर की ढेरों शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि यह दिन चारों ओर भाईचारे और दयालुता की भावना को और आगे बढ़ाए। सभी लोग सुखी और स्वस्थ रहें। ईद मुबारक! इसके साथ ही, प्रधानमंत्री ने पारसी समुदाय के नव वर्ष नवरोज़ के अवसर पर भी जनता का अभिवादन किया। उन्होंने प्रार्थना की कि आने वाला वर्ष हर किसी के जीवन में नई ऊर्जा, समृद्धि और आनंद लेकर आए। उन्होंने अपने संदेश में कहा, नवरोज़ के विशेष अवसर पर शुभकामनाएं। प्रार्थना करता हूँ कि यह वर्ष सभी की आकांक्षाओं को पूर्ण करने वाला हो। प्रधानमंत्री के ये संदेश भारतीय समाज की विविधता और समावेशी संस्कृति को रेखांकित करते हैं। जहाँ ईद का संदेश सामाजिक एकता और करुणा पर केंद्रित रहा, वहीं नवरोज़ के संदेश में प्रगति और व्यक्तिगत खुशहाली की कामना की गई।

असम में टीएमसी कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट हुई जारी

नई दिल्ली/ गुवाहाटी। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने शनिवार को असम विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट की घोषणा कर दी है। इसमें 17 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। वहीं, कर्नाटक में बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के लिए कांग्रेस के टिकट के दावेदारों ने शुक्रवार को अपने नामांकन दाखिल कर दिए। हालांकि पार्टी ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। इधर, ममता बनर्जी ने ईद की नमाज के बाद जमात को संबोधित किया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह विधानसभा चुनावों से पहले वोटर लिस्ट में चल रहे बदलावों के जरिए लोगों के वोट देने के अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है। बनर्जी ने सभा में कहा, हम मोदी जी और भाजपा को आपके वोट देने के अधिकार छीनने नहीं देंगे। हम लोकतंत्र और हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा के लिए आखिर तक लड़ेंगे। एआईसीसी की प्रेस रिलीज के अनुसार, कांग्रेस ने अपने गठबंधन सहयोगी राइजर दल के लिए 11 सीटें छोड़ी हैं। कांग्रेस ने अपने गठबंधन का विस्तार किया है और असम विधानसभा चुनावों के लिए राइजर दल के साथ हाथ मिलाया है। असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई और राइजर दल के नेता अखिल गोगोई ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की। कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में असम जातीय परिषद, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) और ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया राजस्थान के निवेशकों से संवाद

देश के दिल और असीम विकास अवसरों के केन्द्र मध्यप्रदेश से जुड़िए : मुख्यमंत्री

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश और राजस्थान जुड़वा भाइयों की तरह हैं। दोनों राज्य मिलकर विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत तैयार कर रहे हैं। हम सिर्फ विरासतों और विविधताओं के ही नहीं, आर्थिक दृष्टि से भी एक-दूसरे के स्वाभाविक साझेदार हैं।

राजस्थान का विकसित टेक्सटाइल, जेम्स-एंड-ज्वेलरी और मध्यप्रदेश की ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादन क्षमता, टेक्सटाइल पार्क एवं मज?बूत मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम मिलकर एक सशक्त वैल्यू चैन तैयार कर सकते हैं। मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच पार्वती-कालीसिंध-चंबल राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। ये परियोजना दोनों राज्यों की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। लगभग 1 लाख करोड़ रूपए की इस परियोजना में दोनों राज्यों को मात्र 5-5 प्रतिशत राशि देनी होगी। इसकी 90 प्रतिशत लागत भारत सरकार देगी। उन्होंने कहा है कि दोनों राज्यों के बीच रोटी-बेटी का संबंध रहा है और अब पानी का संबंध भी बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जयपुर में आयोजित इन्टरेक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश% में राजस्थान के निवेशकों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर सेशन का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्य के सभी निवासियों को हाल ही में मनाए गए राजस्थान राज्य के स्थापना दिवस (19 मार्च) और अखंड सौभाग्य के लोक-पर्व गणगौर पूजन की बधाई और मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। राज्यों के बीच प्राकृतिक संसाधनों के बंटवारे मधुरता से पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के व्यापारियों ने देश-दुनिया में व्यापार-व्यवसाय में अपना नाम कमाया है। धन कमाने के लिए मन और बुद्धि चाहिए। राजस्थान के व्यापारियों ने अपनी क्षमता, युक्ति-बुद्धि और योग्यता से अपना लौहा मनवाया है। हम यहां दोनों राज्यों के बीच व्यापार संबंध प्रगाढ़ करने के लिए आए हैं। वर्तमान हालातों में कई तरह की चुनौतियां हैं, साथ ही हमारे पास आगे बढ़ने के स्वर्णिम अवसर भी हैं। कुछ साल पहले तक हमारे निवेशक खाड़ी देशों में निवेश के लिए जा रहे थे, लेकिन अब वहां स्थिति तेजी से बदल गई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र में नियमों-कानूनों का सरलीकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक निवेश आकर्षित करने के लिए 26 प्रकार की नई नीतियां लागू की हैं। अब स्पेस और एआई सेक्टर के लिए भी हम पॉलिसी लाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, देश के सरप्लस बिजली स्टेट्स में से एक है। अब हम देश के ग्रीन, क्लीन एंड सोलर एनर्जी कैपिटल के रूप में उभर रहे हैं। इलेक्ट्रिसिटी सरप्लस राज्य बनने के बाद अब मध्यप्रदेश की बिजली से दिल्ली में मेट्रो ट्रेन संचालित हो रही है। प्रदेश में लगभग 2 रुपए 90 पैसे प्रति यूनिट दर पर घरेलू बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। औद्योगिक विकास के साथ माइनिंग सेक्टर में भी तेज गति से कार्य हो रहे हैं। मेडिकल टूरिज्म के लिए राज्य में मेडिकल कॉलेजों की संख्या तेजी से बढ़ाई जा रही है। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल खोलने के लिए 1 रुपए में लीज पर जमीन दी जा रही है। मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा है। राज्य में 5 हजार से 50 हजार क्षमता की बड़ी गौशालाएं खोलने के लिए जमीन दी जा रही है। प्रति गौमाता अनुदान भी 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए कर दिया गया है। पशुओं की नस्ल सुधार और चिकित्सा के लिए उचित प्रबंध किए गए हैं।

एआई आधारित तकनीक से नागरिक सेवाएं होंगी अधिक तेज: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सुशासन एवं विकास को नई गति देने और शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से शीघ्र ही मध्यप्रदेश स्टेट एआई मिशन प्रारंभ किया जाएगा। यह मिशन सेवाओं के संचालन और आर्थिक अवसरों के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। स्टेट एआई मिशन राज्य के एआई विजन एंड एक्शन फ्रेमवर्क पर आधारित होगा, जिसके माध्यम से व्यवस्था को प्रेडिक्टिव, प्रोएक्टिव एवं डेटा-ड्रिवन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एआई तकनीकों का उपयोग मानवीय निगरानी (ह्यूमन-इन-द-लूप) के साथ किया जाएगा, जिससे सुरक्षा, पारदर्शिता एवं नागरिकों का विश्वास सुनिश्चित किया जा सकेगा। एआई मिशन के क्रियान्वयन से नागरिकों, विशेषकर किसानों, ग्रामीण समुदायों, युवाओं एवं वंचित वर्गों को तेज, स्मार्ट और व्यक्तिगत सेवाएँ उपलब्ध होंगी। राज्य सरकार एआई तकनीक को सुलभ एवं किफायती बनाकर समाज के सभी वर्गों तक इसके लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। स्टेट एआई मिशन में कृषि, स्वास्थ्य, पोषण एवं आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संभावित जोखिमों की पूर्व पहचान संभव हो सकेगी। सभी एआई प्रणालियों में पारदर्शिता, ऑडिटेबिलिटी और प्राइवेसी संरक्षण सुनिश्चित करते हुए रिस्पॉन्सिबल एआई के सिद्धांतों को अपनाया जाएगा।

साथ ही प्रशासनिक कार्यों को अधिक दक्ष बनाने के लिए अधिकारियों को ड्राफ्टिंग, विश्लेषण, डिसीजन सपोर्ट एवं डेटा मैनेजमेंट से संबंधित एआई टूल्स उपलब्ध कराए जाएंगे। एआई का उपयोग केवल पायलट परियोजनाओं तक सीमित न रहकर राज्य की प्रमुख योजनाओं में व्यापक रूप से लागू किया जाएगा। स्टेट एआई मिशन को चरणबद्ध रूप से लागू किया जाएगा। वर्ष 2026-27 में वर्तमान एआई पहलों का समेकन एवं आधारभूत तैयारी सुदृढ़ की जाएगी। वर्ष 2027-28 में सफल यूज़ केसेस को विभिन्न विभागों में व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा और वर्ष-2028 से एआई को शासन की स्थायी संस्थागत क्षमता के रूप में विकसित किया जाएगा। एमपी ई-सेवा एवं संपदा 2.0 जैसे प्लेटफॉर्म से एआई आधारित पात्रता पहचान, फेस रिकग्निशन एवं रियल-टाइम ट्रैकिंग से नागरिक सेवाएँ अधिक सुलभ, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बन रही हैं। एआई आधारित गिरदावरी प्रणाली से भूमि एवं फसल संबंधी सेवाओं में सटीकता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित हुई है। कृषि क्षेत्र में एआई आधारित गिरदावरी, सिप्री परियोजना, जिला स्तरीय जीआईएस प्लेटफॉर्म तथा सारा एवं उन्नति एग्रीजीआईएस से करोड़ों भू-खंडों पर फसल मैपिंग एवं उपज आकलन किया जा रहा है, जिससे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में पारदर्शिता एवं बेहतर निर्णय-निर्माण को बल मिला है।

सुशासन एवं विकास को नई गति देगा स्टेट एआई मिशन

एआई आधारित पहलों के तहत सुमन सखी कार्यक्रम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी की जा रही है।वहीं एमपी कौशल रथ एवं ज्ञानकोष के जरिए युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार अवसरों से जोड़ा जा रहा है। समग्र प्लेटफॉर्म आधारित एआई पहचान प्रणाली से पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं लक्षित तरीके से पहुँचाया जा रहा है। राज्य में स्टार्टअप, शैक्षणिक संस्थानों एवं इंडस्ट्री के साथ साझेदारी विकसित कर मजबूत एआई इको सिस्टम तैयार किया जाएगा। युवाओं एवं शासकीय अधिकारियों के लिए एआई स्किलिंग कार्यक्रम संचालित कर भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप मानव संसाधन तैयार किए जाएंगे।

वर्षा और ओलावृष्टि से बिहार-हरियाणा में फसलों को हुआ नुकसान

यूपी में वज्रपात से 10 मौतें, एमपी के शिवपुरी-बड़वानी में भी नुकसान

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत देश के कई राज्यों में शुक्रवार को भारी वर्षा और ओलावृष्टि ने फसलों को नुकसान पहुंचाया। उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे में बदले मौसम से कई जगहों पर गेहूं की फसल बिछ गई और खेत में काटकर रखी गई सरसों की फसल भीग गई। आंधी-वर्षा के कारण आम के बौर गिर गए। वर्षा के कारण बिहार के सीतामढ़ी, शिवहर व मुजफ्फरपुर में भी गेहूं की फसल और आम-लीची को नुकसान पहुंचने की आशंका है। उधर, उत्तर प्रदेश में वज्रपात से 10 लोगों की मौत हो गई। सबसे अधिक तीन मौतें प्रयागराज में हुई। अमरोहा में दो, जौनपुर, मीरजापुर, श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर में एक-एक मौत हुई। बिजली गिरने से आठ लोग झुलस गए। हरियाणा में भी तेज हवा के साथ वर्षा से यमुनानगर, चरखी दादरी, झज्जर, हांसी, हिसार, जींद, भिवानी व बहादुरगढ़ क्षेत्र में हजारों एकड़ में गेहूं की फसल बिछ गई। हिमाचल प्रदेश के मंडी में जलभराव से टमाटर, शिमला मिर्च, फूलगोभी और मटर की फसलों को नुकसान पहुंचने की बात कही जा रही है।

धार में किसानों का 10 से 15 प्रतिशत नुकसान

मध्य प्रदेश के शिवपुरी में ओलावृष्टि तो श्योपुर में आंधी चली। इससे खेतों की फसल बिछ गई। बड़वानी में अंगूर के आकार के ओलों ने गेहूं, चना और मक्का को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया। धार में किसान 10 से 15 प्रतिशत नुकसान का अनुमान लगा रहे है। हालांकि, छत्तीसगढ़ में ओलों का आकार छोटा होने से फसलें ज्यादा नहीं प्रभावित हुईं। पंजाब व जम्मू वर्षा को मान रहे लाभदायक पंजाब में वर्षा से गेहूं की फसल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, इस समय गेहूं की फसल में दाना बन रहा है। ऐसे में हल्की ठंडक और नमी की जरूरत है। वर्षा से सिंचाई की जरूरत भी पूरी हो गई है। जम्मू-कश्मीर में मार्च के पहले सप्ताह से निरंतर हो रही वर्षा को फसलों के लिए लाभदायक बताया जा रहा है।

धार्मिक आस्था | **पूजा-पाठ और भजनों से मिलता है पुण्यलाभ**

मन को नई ऊर्जा प्रदान करता है नवरात्रि व्रत

नई दिल्ली। देशभर में आजकल नवरात्रि पर्व की धूम है। नवरात्रि ऐसे समय पर आती है जब मौसम बदल रहा होता है और इसका सीधा असर हमारे शरीर पर पड़ता है। नवरात्रि के दौरान व्रत रखना सिर्फ धार्मिक आस्था का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी आयुर्वेदिक सोच भी छिपी होती है। आमतौर पर लोग इसे पूजा-पाठ और श्रद्धा से जोड़कर देखते हैं, लेकिन अगर इसे आयुर्वेद के नजरिए से समझें तो यह शरीर को अंदर से रीसेट करने का एक प्राकृतिक तरीका है। आयुर्वेद के अनुसार इस दौरान शरीर में वात और पित्त दोष असंतुलित हो सकते हैं, जिससे पाचन तंत्र कमजोर पड़ता है और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में व्रत रखने और हल्का, सात्विक भोजन करने से शरीर को संतुलन में लाने में मदद मिलती है। नवरात्रि के दौरान लोग फल, कुट्टू, सिंघाड़ा, दही और साबूदाना जैसे हल्के आहार का सेवन करते हैं, जो पचने में आसान होते हैं और शरीर पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालते। रोजमर्रा के भारी, तले-भुने और मसालेदार भोजन से पाचन तंत्र पर जो दबाव बनता है, वह व्रत के दौरान कम हो जाता है। इससे शरीर को खुद को ठीक करने और ऊर्जा संतुलित करने का समय मिलता है। आयुर्वेद में पाचन शक्ति यानी 'अग्नि' को स्वास्थ्य का आधार माना गया है। जब यह अग्नि मजबूत होती है, तो शरीर स्वस्थ रहता है। व्रत के दौरान यह अग्नि फिर से सक्रिय होती है और शरीर में जमा विषैले तत्व बाहर निकलने लगते हैं, जिससे व्यक्ति खुद को हल्का और ऊर्जावान महसूस करता है। नवरात्रि का व्रत केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी लाभकारी होता है। नवरात्रि में खाए जाने वाले ज्यादातर खाद्य पदार्थ सात्विक होते हैं। ये न सिर्फ पाचन के लिए आसान होते हैं बल्कि शरीर को जरूरी पोषण भी प्रदान करते हैं। सात्विक आहार शरीर को हल्का बनाए रखने के साथ-साथ इम्युनिटी को भी मजबूत करता है, जिससे मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद मिलती है।

फेफड़ों और पेड़ों की शाखाओं में छिपा है प्रकृति का अद्भुत गणित, वैज्ञापिक शोध में हुआ खुलासा

नई दिल्ली। फेफड़ों और पेड़ों की शाखाओं में प्रकृति का गणितीय रहस्य छिपा है। यह केवल संयोग नहीं है, बल्कि इसके पीछे प्रकृति का अद्भुत गणित और कुशल इंजीनियरिंग छिपी हुई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट तेजी से वायरल हुई, जिसमें इंसानों की श्वसन प्रणाली और पेड़ों की शाखाओं की संरचना के बीच समानता दिखाई गई थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह समानता केवल देखने में ही आकर्षक नहीं है, बल्कि इसके पीछे ऊर्जा की बचत और अधिकतम दक्षता का वैज्ञानिक सिद्धांत भी काम करता है। जीव विज्ञान में इसे मुरेज लॉ के नाम से जाना जाता है। यह सिद्धांत बताता है कि प्रकृति में शाखाओं का नेटवर्क, चाहे वह रक्त वाहिकाएं हों, पेड़ों की टहनियां हों या नदियों का तंत्र, सभी को इस तरह व्यवस्थित किया जाता है कि उनमें बहने वाले तत्व कम से कम ऊर्जा खर्च करते हुए आगे बढ़ सकें। इस नियम के अनुसार एक मुख्य शाखा और उससे निकलने वाली छोटी शाखाओं की मोटाई के बीच एक सटीक गणितीय संबंध होता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि रक्त, पानी या पोषक तत्व जैसी चीजें पूरे नेटवर्क में संतुलित और कुशल तरीके से प्रवाहित हो सकें। इसे एक सुव्यवस्थित हाइवे सिस्टम की तरह भी समझा जा सकता है, जहां मुख्य सड़क चौड़ी होती है और छोटी गलियां उससे निकलती हैं, लेकिन कुल यातायात क्षमता संतुलित बनी रहती है। इस सिद्धांत को वैज्ञानिक रूप से वर्ष 1926 में शरीर विज्ञानी सेसिल डी मुरे ने विस्तार से समझाया था। इसी नियम के कारण मानव फेफड़ों की संरचना बार-बार शाखाओं में विभाजित होती है। बताया जाता है कि फेफड़े लगभग 23 बार शाखाओं में विभाजित होकर करीब 48 करोड़ छोटे वायु कोष यानी एयर सैक्स बनाते हैं, जिससे शरीर तक ऑक्सीजन का प्रभावी तरीके से संचार संभव हो पाता है। पेड़ों और फेफड़ों के बीच संबंध केवल उनकी बनावट तक सीमित नहीं है।

मातृ शक्तिसंगम, सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

समय जगत, हरदा। स्थानीय राजपूत छात्रावास में राजपूत महिलाओं के द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संचालक श्रीमती जयंती चौहान ने बताया कि प्रतिवर्ष महिला दिवस के उपलक्ष्य में मातृशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। यह इस कार्यक्रम के आयोजन का ग्यारहवां वर्ष था। इस वर्ष रानी पद्मिनी के जौहर को दृष्टिगत रखते हुए शौर्य दिवस मनाया गया, जिसके अंतर्गत भारत की महान नारियों की महिमा का चित्रण किया गया। उन्होंने बताया कि वैसे तो वैदिक काल और ऐतिहासिक काल से लेकर आधुनिक काल तक अनेक महान क्षत्राणियां हुई हैं। जिन्होंने अपनी तपस्या, प्रेम,त्याग, बलिदान से अपना नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया है। कार्यक्रम की लघु समयावधि को देखते हुए सभी का चित्रण कर पाना असंभव था अतः कुछ महान विभूतियों को ही कार्यक्रम की सांस्कृतिक प्रस्तुति में समाहित किया गया। जिनमें माता महालक्ष्मी मां सरस्वती मां काली सहित नौ देवियों का चित्रण किया गया। रानी पद्मिनी जिन्होंने सोलह हजार रानियों के साथ जौहर किया था, उनका चित्रांकन किया गया। हाड़ी रानी जिन्होंने अपने पति को राष्ट्र धर्म की शिक्षा देने के लिए अपना शीश स्वयं काट

कर थाल में सजा दिया था, उनका चित्रण किया गया। सैकड़ों मंदिरों का जीर्णोद्धार करके भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने वाली महारानी अहिल्यादेवी होल्कर का सजीव चित्रण किया गया। मीराबाई जिन्होंने अपने प्रेम और भक्ति से श्रीकृष्ण को अपना सब कुछ समर्पित किया और स्वयं श्री कृष्ण में समाहित हो गई उनका चित्रण किया गया। रानी लक्ष्मी बाई ने अपनी वीरता से अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए उनका चित्रण किया गया। यह समस्त सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एक लघु नृत्य नाटिका के रूप में प्रस्तुत की गई। बालिकाओं के द्वारा गणपति वंदना एवं देवी आराधना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सलोनी जैन एवं श्रीमती पूजा पांडा के द्वारा कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की गई। कार्यक्रम महिला विकास समिति राजपूत परिषद हरदा के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। सहसंयोजक के रूप में महाराणा सेना ने अपनी सहभागिता निभाई। समिति के संरक्षक श्रीमती सुलोचना मौर्य, शकुंतला गहलोत,सुभद्रा गहलोत, मीना मौर्य,सुषमा पवार,अंजू सुरमा, अध्यक्ष श्रीमती ममता चंदेल, जिलाध्यक्ष रानू पटेल एवं मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर मां सरस्वती और महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अध्यक्ष ममता चंदेल ने अपने उद्बोधन में सामाजिक कुरीतियों को दूर करने की बात कही। कल्पना राजपूत ने बताया कि प्रतिवर्ष खिरकिया, सिराली, टिमरनी, गहाल, इंदौर एवं भोपाल से सामाजिक कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में भाग लेती हैं। इस वर्ष भी विभिन्न स्थानों से अनेक क्षत्राणियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में सभी समिति कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया, इसमें शांति सुरमा, सिंधु गहलोत,नीतू सोलंकी, रजनी गहलोत, संध्या सोलंकी, नीलिमा सावनेर, अंजलि पवार, नम्रता ठाकुर,शिप्रा संचार,रमा राजपूत, राजंति राजपूत,रागिनी गहलोत, किरण चंदेल, रंजना,पुष्पा गहलोत, आरती, नेहा, पिंकी, माधुरी सृष्टि,पारुल, शीला,वैशाली,पूजा, सुनीता, रजनी, कृष्ण,प्रीति ने इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया।

नर्मदा घाट पर तेज रफ्तार बाइक चलाने वालों पर कार्रवाई, दो वाहन जब्त

समय जगत, मंडलेश्वर। पवित्र नर्मदा घाट क्षेत्र में तेज रफ्तार से बाइक चलाकर लोगों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले युवकों पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। लंबे समय से कुछ युवक बुलेट मोटरसाइकिल में प्रेशर हॉर्न लगाकर और मोडिफाई साइलेंसर से पटाखों जैसी आवाजें निकालते हुए घाट क्षेत्र में आवागमन कर रहे थे, जिससे शाम के समय घूमने आने वाले परिवारों और नर्मदा दर्शन करने पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस संबंध में दो दिन पूर्व थाना प्रभारी पंकज तिवारी ने चेतावनी दी थी कि तेज गति से वाहन चलाने और प्रेशर हॉर्न का उपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसी कड़ी में पुलिस ने नर्मदा घाट क्षेत्र में अभियान चलाकर दो मोटरसाइकिलों को जब्त किया। कार्रवाई के दौरान चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत चालानी कार्रवाई की गई। मॉडिफाइड साइलेंसर से तेज आवाज (फटाके जैसी) निकालने पर

विशेष रूप से कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार जब्त वाहन चालकों में लोकेश पिता गजराज तवर (उम्र 18 वर्ष, निवासी नवलपुरा, मंडलेश्वर) एवं विनय पिता बलराम खांडेकर (उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम ठनगांव) शामिल हैं। थाना प्रभारी पंकज तिवारी ने बताया कि यह कार्रवाई भ्रमण/पर्यटन स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई है। जब्त वाहनों को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थानों पर यातायात नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें, ताकि सभी लोग सुरक्षित वातावरण में नर्मदा घाट का आनंद ले सकें।

संक्षिप्त समाचार

हार्टफुलनेस के प्रणेता पद्म भूषण 'दाजी' रतलाम में कराएंगे तीर्थंकर ऋषभदेवजी के प्रवर्तित राजयोग पर केन्द्रित ध्यान

रतलाम। सुक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप एवं हार्टफुलनेस केन्द्र रतलाम द्वारा 22 मार्च को तीर्थंकर ऋषभदेवजी द्वारा प्रवर्तित राजयोग पर आधारित ध्यान की अनुभूति का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें हार्टफुलनेस संस्था के वैश्विक मार्गदर्शक पद्म भूषण ''दाजी'' का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री एवं वर्ल्ड जैन कॉन्फेडरेशन के चैयरमेन चेतन्य काश्यप ने बताया कि रविवार को सायं 6 बजे सैलाना रोड़ स्थित श्रीजी पैलेस में पूज्य दाजी के मार्गदर्शन में ध्यान सत्र के आयोजन के साथ-साथ दाजी और श्री बी.रतिनासबापथी द्वारा लिखित पुस्तक ''होली तीर्थंकर्स'' इन द लाइट ऑफ हार्टफुलनेस 'पुण्यात्मन् तीर्थंकर और हार्टफुलनेस' के हिन्दी संस्करण का स्थानीय विमोचन भी किया जाएगा। पुस्तक विमोचन के साथ जिस राजयोग पर आधारित ध्यान सत्र का आयोजन किया जा रहा है, उस राजयोग की प्रथम खोज पूज्य दाजी के अनुसार तीर्थंकर श्री ऋषभदेवजी द्वारा राजा दशरथ के 72 पीढ़ी पहले की गई थी। कुछ सदियों से यह पद्धति विलुप्त हो गई थी। इसकी पुनः खोज हार्टफुलनेस संस्था के आदिगुरु श्री लालाजी साहब ने 19वीं शताब्दी के अंत में की है। इस पर आधारित सत्र में ध्यान की विशिष्ट अनुभुति होगी। सत्र में गणमान्यजन उपस्थित रहेंगे।

सीएसईबी आधारित आवास निर्माण पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला हुई आयोजित

समय जगत, मंडला। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मण्डला के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीएसईबी (कम्प्रेस्ड स्टेबलाइज्ड अर्थ ब्लॉक) तकनीक आधारित आवास निर्माण के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक 1 एवं 2 के कार्यपालन यंत्री, सभी जनपद पंचायतों से सहायक यंत्री, उपयंत्री, पीएमएवाई-जी एवं एनआरएलएम के ब्लॉक समन्वयक, सचिव, राज मिस्त्री तथा हितग्राही सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान सीएसईबी मशीन के माध्यम से कम्प्रेस्ड ईंट (ब्लॉक) बनाने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि इस तकनीक से कम लागत में टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल आवास निर्माण संभव है। कार्यक्रम का उद्देश्य हितग्राहियों एवं संबंधित अमले को नवीन तकनीक से अवगत कराते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती आवास निर्माण को बढ़ावा देना रहा है।

63 वर्ष बाद मिले 1963 बैच के 18 मित्र हरदा में हुआ भावनात्मक मिलन समारोह

समय जगत, हरदा। नगर के किसान भवन में एक विशेष और भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वर्ष 1963 में हरदा के विद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने वाले 18 मित्र लगभग 63 वर्ष बाद एक-दूसरे से मिले। इतने लंबे समय के बाद हुए इस मिलन ने सभी को अपने पुराने दिनों की यादों में लौटा दिया और पूरा वातावरण भावुक तथा आनंदमय हो गया। इस मिलन समारोह में मुंबई,नागपुर,भोपाल, इंदौर और हरदा सहित विभिन्न शहरों से आए मित्रों ने भाग लिया। वर्षों बाद मिले इन मित्रों ने अपने छात्र जीवन की यादों को साझा किया और एक-दूसरे के साथ हंसी-खुशी समय बिताया। कार्यक्रम के दौरान एक विशेष सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया,जिसमें दिवंगत मित्र कमल गोयल की धर्मपत्नी पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीमती उषा गोयल का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सभी मित्रों ने उनसे मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं और बधाई दी। यह आयोजन सामंजस्य और सच्ची मित्रता का एक सुंदर उदाहरण बन गया। मित्रों ने अपने बीते सुनहरे दिनों की यादों को ताजा

करने के साथ-साथ मिशन हैप्पी हरदा के माध्यम से समाज के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करने की भी इच्छा व्यक्त की। इस प्रकार कार्यक्रम में अतीत की स्मृतियों और भविष्य की प्रेरणा का सुंदर संगम देखने को मिला।कार्यक्रम के उपरांत सभी मित्रों ने हरदा शहर का भ्रमण भी किया। इस दौरान उन्होंने अपने पुराने परिचितों से मुलाकात की तथा उन स्थानों को देखा, जो उनके छात्र जीवन की यादों से जुड़े हुए थे। इसके बाद सभी मित्र अपने विद्यालय परिसर पहुंचे,जहां उन्होंने समूह फोटो लेकर इस यादगार क्षण को सहेजा। कार्यक्रम के अंत में लगभग अस्सी वर्ष की आयु के ये सभी उत्साही मित्र अपने-अपने शहरों के लिए रवाना हुए। जाते समय उन्होंने एक प्रेरणादायक संदेश के साथ जीवन जीने का संकल्प लिया, स्वास्थ्य प्रथम,स्वयं को स्वस्थ रखें, सक्रिय रहें,उत्पादक बनें और जीवन का पूरा आनंद लें। यह मिलन समारोह केवल एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि मित्रता, स्मृतियों और सकारात्मक जीवन दृष्टि का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया। इस कार्यक्रम का आयोजन मिशन हैप्पी हरदा के सहयोग से किसान भवन हरदा में किया गया। जिसमें समाजसेवी राजीव बाहेती, सुनील बागरे, साहित्यकार ज्ञानेश चौबे, घनश्यामदास सोमानी,ओम शुक्ला तथा उनके साथियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रमन क्षेत्रीय संसाधन केंद्र हरदा के क्षेत्रीय प्रबंधक उमेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में सभी लोगों ने एकत्रित होकर सामाजिक मित्रता और उत्साह के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर सभी मित्रों ने आगामी दो तीन वर्षों के भीतर पुनः इसी प्रकार का कार्यक्रम आयोजन करने का संकल्प लिया। साथ ही समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर मिलते रहने और रचनात्मक कार्य करने की इच्छा भी व्यक्त की।

खिलचीपुर में कांग्रेस को मिला नया नेतृत्व, पवन सेन बने नगर अध्यक्ष

समय जगत, खिलचीपुर। जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रियव्रत सिंह की अनुशंसा पर कांग्रेस संगठन ने खिलचीपुर में बड़ा संगठनात्मक फैसला लेते हुए पवन सेन (पिरू) को नगर कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस निर्णय को क्षेत्रीय राजनीति में एक अहम बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जिससे संगठन को नई मजबूती और दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पवन सेन लंबे समय से कांग्रेस पार्टी के समर्पित एवं सक्रि य कार्यकर्ता रहे हैं। उन्होंने जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्षेत्र में उनकी सक्रियता, जनसंपर्क और कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर तालमेल को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन पर विश्वास जताया है। उनकी नियुक्ति की खबर मिलते ही खिलचीपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके नेतृत्व में संगठन के और अधिक सशक्त होने की उम्मीद जताई। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पवन सेन के नेतृत्व में

कांग्रेस संगठन नई रणनीति के साथ क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ाएगा और आम जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएगा। साथ ही संगठन विस्तार और बूथ स्तर तक मजबूती पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह नियुक्ति संगठन को नई ऊर्जा देने वाली साबित होगी। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि पवन सेन अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता के बल पर कांग्रेस को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। अंत में सभी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

मक्का मस्जिद में अदा की गई ईद की नमाज
देश में अमन-चैन की मांगी दुआ

समय जगत, खिलचीपुर। पवित्र माह रमजान के समापन पर शनिवार को नगर में ईद-उल-फितर का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मक्का मस्जिद सुन्नत वल जमात में हैदरी ग्रुप के सदस्यों सहित नगर के गणमान्य नागरिकों और जिम्मेदार हस्तियों ने बड़ी संख्या में शिरकत की और सामूहिक रूप से ईद की नमाज अदा की। नमाज के उपरांत खुतबा पढ़ा गया, जिसमें सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया गया। विशेष दुआ के दौरान खुदा की बारगाह में हाथ फैलाकर देश की तरक्की, खुशहाली और कौमी एकता के लिए प्रार्थना की गई। अकीदतमंदों ने दुआ मांगी कि हमारा प्यारा हिंदुस्तान हमेशा अमन,

चैन और आपसी भाईचारे के साथ चमकता रहे।

गले मिलकर दी मुबारकबाद: नमाज के बाद मस्जिद परिसर में भाईचारे का अनूठा नजारा देखने को मिला। हैदरी ग्रुप के सदस्यों और नगर के प्रबुद्ध जनों ने एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की बधाई दी। इस मौके पर सदफ मंसूरी ने सभी क्षेत्रवासियों को ईद की दिली मुबारकबाद पेश करते हुए कहा कि यह त्यौहार आपसी दूरियां मिटाकर प्यार बांटने का पैगाम देता है। प्रशासन द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

बाराद्वारी मंदिर तक सड़क निर्माण व टीनशेड का लोकार्पण
विधायक को भेंट किया गया हनुमान विग्रह

समय जगत, मंडलेश्वर। पवित्र पर्यटन नगरी महेश्वर से लगभग 6 किलोमीटर दूर स्थित होलकरकालीन प्रसिद्ध बाराद्वारी मंदिर क्षेत्र में धार्मिक आस्था और पर्यटन विकास को नई गति मिल रही है। हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा के शुभ अवसर पर यहां सड़क निर्माण एवं मंदिर परिसर में टीनशेड का लोकार्पण समारोह धार्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। बाराद्वारी मंदिर अपनी ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्ता के लिए क्षेत्र में विशेष स्थान रखता है। यहां भगवान रामलाल एवं पूर्वमुखी श्री हनुमान जी महाराज विराजमान हैं, वहीं तालाब किनारे पांच शिवलिंग भी स्थापित हैं। 12 द्वारों से युक्त इस स्थल के प्रत्येक दिशा में तीन-तीन द्वार निर्मित हैं, जिसके कारण इसका नाम 'बाराद्वारी' पड़ा। बताया जाता है वृंदावन के एक संत ने यहां कठोर तपस्या कर इस स्थान को तपोभूमि के रूप में प्रतिष्ठित किया था। पर्यटन एवं

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय विधायक राजकुमार मेव द्वारा विधायक निधि से महेश्वर से बाराद्वारी मंदिर तक पहुंच मार्ग के लिए 7 करोड़ 16 लाख 51 हजार रुपए की लागत से सड़क स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त ठनगांव से बाराद्वारी मंदिर तक 2 करोड़ 89 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु 5 लाख रुपए की लागत से टीनशेड का निर्माण कराया गया, जिसका विधिवत लोकार्पण किया गया। विधायक द्वारा परिसर में हाईमास्ट लाइट लगाने की घोषणा भी की गई, जिससे रात्रि के समय भी मंदिर परिसर में प्रकाश व्यवस्था सुचारू रह सकेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक राजकुमार मेव उपस्थित रहे। लोकार्पण समारोह के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा विधायक का पुष्प-मालाओं से स्वागत किया गया।

धार में ईद की रौनक : इबादत के बाद खुशियों का सैलाब, गूंजा अमन-भाईचारे का पैगाम

समय जगत, धार। रमज़ान की पाक इबादतों और रोज़ों के समापन के बाद ईद-उल-फितर का पर्व पूरे जिले में उल्लास, उमंग और अकीदत के साथ मनाया गया। शहर की फिज़ा सुबह से ही ईद की खुशियों में रंगी नजर आई। हर ओर रौनक, हर चेहरे पर मुस्कान और हर जुबां पर ईद मुबारक की गूंज सुनाई दी। सुबह होते ही मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा करने के लिए अकीदतमंदों का सैलाब उमड़ पड़ा। शहर की लाट मस्जिद में खासा उत्साह देखने को मिला, जहां शहर काजी वाकर सादिक ने

ईद की नमाज अदा करवाई और खुतबा पेश किया। खुतबे के बाद सामूहिक दुआ की गई, जिसमें देश और जिले में अमन-चैन, भाईचारे और तरक्की के लिए हाथ उठाकर दुआएं मांगी गईं। इस दौरान पूरा माहौल रूहानी एहसास और एकता के संदेश से सराबोर नजर आया। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी सौहार्द को और मजबूत किया। गिले-शिकवे भुलाकर मोहब्बत और भाईचारे का यह दृश्य शहर की गंगा-जमुनी तहज़ीब की जीवंत मिसाल बन गया। ईद की खुशियों में बच्चों का उत्साह सबसे खास रहा। नए कपड़ों में सजे नन्हे-मुन्ने, हाथों में ईदी और चेहरों पर खिलखिलाती मुस्कान-इन मासूम खुशियों ने पूरे माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया। त्योहार के मद्देनज़र शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया, जिससे पर्व शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। अधिकारियों ने मुस्लिम समाज को ईद की शुभकामनाएं दीं, वहीं समाज के लोगों ने भी सौहार्द और एकता का परिचय दिया।

मंडला के अमित सिंह ठाकुर ने GATE में हासिल की ऑल इंडिया 9वीं रैंक

मंडला। जिले के ग्राम खड़देवरा के निवासी अमित सिंह ठाकुर ने ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग परीक्षा में ऑल इंडिया स्तर पर 9वीं रैंक प्राप्त कर अपने परिवार, क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया है। अमित, ग्राम खड़देवरा के कृषक सुरेंद्र सिंह ठाकुर एवं श्रीमती प्रतिमा ठाकुर के पुत्र हैं। उन्होंने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में 1000 में से 785 अंक अर्जित कर यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अमित की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों द्वारा उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की जा रही है। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले अमित ने अपनी मेहनत और लगन से यह उपलब्धि प्राप्त की है।

मंत्री ने किया 27 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण
सिंचाई, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं से बदल रही ग्रामीण क्षेत्र की तस्वीर : राज्य मंत्री पंवार

समय जगत, ब्यावरा। ग्रामीण विकास के प्रति संकल्पित मध्यप्रदेश सरकार गांवों को सशक्त एवं समृद्ध बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में शनिवार को ब्यावरा विधानसभा के ग्राम लखनवास में मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री नारायण सिंह पंवार द्वारा लगभग 26 करोड़ 79 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन/ लोकार्पण और शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने 14 करोड़ 98 लाख 22 हजार रुपए की लागत से लखनवास से दूधिया दीवान (नरसिंहगढ़) मार्ग (7.70 किलोमीटर) के उन्नयन एवं चौड़ीकरण कार्य का शुभारंभ किया , जिससे क्षेत्र में

आवागमन सुविधा और अधिक सुदृढ़ होगी। वहीं ग्राम लखनवास में 1 करोड़ 59 लाख रुपए से निर्मित नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का लोकार्पण कर ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया। इसके अतिरिक्त लगभग 10 करोड़ 21 लाख रुपए की लागत से ग्राम पंचायत गांगाहोनी, आमडोर, पाडली गुसाई, लखनवास, सीलखेड़ा, भंवास, पातलापानी, तरेना, बगवाज, बेरियाखेड़ी, सेमलापार, टोडी, चुकल्या, खेजड़ा महाराजा, कुंडीखेड़ा, आगर एवं सुंदरपुरा में निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया, जिससे ग्रामीण आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी। इस दौरान मंत्री पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश और प्रदेश में विकास की अभूतपूर्व गति देखने को मिल रही है। पिछले 22 वर्षों में मध्यप्रदेश ने विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल की हैं और सरकार निरंतर जनकल्याण की दिशा में कार्य कर रही है।

बेमौसम बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता, कटाई योग्य फसलों पर मंडराया नुकसान का खतरा

कटकर खेतों में पड़ी चना मसूर, राई और गेहूं की फसलें भीगीं, दानों के खराब होने की आशंका

रीवा। क्षेत्र में बीती रात हुई अचानक बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले कई दिनों से मौसम साफ रहने के कारण किसान तेजी से कटाई और गहाई के काम में लगे हुए थे, लेकिन अचानक हुई बारिश ने उनकी मेहनत पर संकट खड़ा कर दिया है। खासकर चना, मसूर, राई और गेहूं जैसी फसलों पर इस बारिश का असर देखने को मिल रहा है। कई स्थानों पर कटकर खेतों में पड़ी फसलें भीग गई हैं, जिससे दानों के खराब होने और उत्पादन घटने का खतरा बढ़ गया है।ग्रामीण क्षेत्रों में इस समय रबी की प्रमुख फसलों की कटाई का दौर चल रहा है। किसानों ने बड़ी मेहनत से अपनी फसलें तैयार की थीं और कटाई के बाद उन्हें खेतों में सुखाने के लिए रखा गया था, ताकि जल्द ही गहाई कर अनाज घर पहुंचाया जा सके। लेकिन अचानक हुई बारिश ने किसानों की योजनाओं को प्रभावित कर दिया। खेतों में पड़ी फसलें भीगने से किसानों के सामने अब नई परेशानी खड़ी हो गई है।

चना, मसूर और राई की फसलें ज्यादा प्रभावित: किसानों के अनुसार बारिश का सबसे अधिक असर चना, मसूर और राई की फसलों पर पड़ा है। कई जगह इन फसलों की कटाई पहले ही हो चुकी थी और वे खेतों में ही रखी हुई थीं। बारिश होने से इन फसलों के दानों में नमी बढ़ गई है, जिससे दानों के काले पड़ने और खराब होने की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीण इलाकों में किसानों ने बताया कि यदि कटाई के बाद फसलें भीग जाती हैं तो उनकी गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ता है। इससे बाजार में उनकी कीमत भी कम मिलती है। कई किसान अपनी फसलें खुले खेतों में ही रखते हैं, इसलिए अचानक हुई बारिश से उन्हें संभालने का मौका भी नहीं मिल पाया।

गेहूं की फसल पर भी मंडराया संकट: इस समय क्षेत्र में गेहूं की फसल भी पूरी तरह पक चुकी है और कई जगह कटाई का काम चल रहा है। किसानों का कहना है कि लगातार नमी रहने से गेहूं के दानों पर भी असर पड़ सकता है। यदि खेतों में पानी अधिक समय तक बना रहा तो दाने सिकुड़ सकते हैं और बालियों से झड़ भी सकते हैं। किसानों के अनुसार इस साल पहले ही गेहूं की पैदावार को लेकर चिंता बनी हुई थी। खाद की कमी और सिंचाई में आई दिक्कतों के कारण कई खेतों में गेहूं की फसल पौध अवस्था में ही कमजोर रह गई थी। ऐसे में अब मौसम की मार से उत्पादन और कम होने की आशंका जताई जा रही है।

कई गांवों के किसानों ने जताई चिंता: गुढ़वा, दुबहाई खुर्द, रौरा, खैरा और सौर गांव के किसानों ने इस बारिश को लेकर चिंता जताई है। किसान भागवत प्रसाद त्रिपाठी, विजय कुमार तिवारी, प्रिंस सिंह, राजेश पटेल और आशुतोष पटेल (ललन) ने बताया कि बीती रात हुई बारिश से किसानों को कोई खास फायदा नहीं हुआ है। उल्टा कई किसानों की कटाई की गई फसलें भीग गई हैं, जिससे नुकसान होने की संभावना बढ़ गई है।किसानों का कहना है कि कुछ पछेती गेहूं की फसलें जो अभी बाली भरने की अवस्था में थीं, उन्हें इस बारिश से थोड़ी राहत जरूर मिली है। लेकिन यदि आने वाले दिनों में मौसम फिर खराब हुआ तो इन फसलों पर भी विपरीत असर पड़ सकता है।

प्याज की फसल को लेकर भी बढ़ी चिंता: क्षेत्र में प्याज की खेती करने वाले किसान भी इस बेमौसम बारिश से चिंतित नजर आ रहे हैं। किसानों के अनुसार बारिश के बाद तापमान में अचानक गिरावट आई है और अब मौसम साफ होने के साथ तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना है। ऐसे मौसम में प्याज की फसल में फंगस जनित रोग फैलने का खतरा बढ़ जाता है।किसानों का कहना है कि यदि खेतों में नमी ज्यादा समय तक बनी रही तो प्याज की फसल में सड़न और रोग फैलने की समस्या बढ़ सकती है। इससे उत्पादन पर असर पड़ने के साथ-साथ किसानों को आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ सकता है।

समय पर बारिश होती तो किसानों को मिलता लाभ: कई किसानों का कहना है कि यदि यही बारिश लगभग एक माह पहले होती तो यह फसलों के लिए अमृत के समान होती। उस समय गेहूं और अन्य रबी फसलें बढ़वार के चरण में थीं और पानी की आवश्यकता भी थी। लेकिन अब जब फसलें पककर कटाई के लिए तैयार हैं, ऐसे समय में हुई बारिश किसानों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। किसानों का कहना है कि खेती पूरी तरह मौसम पर निर्भर रहती है। थोड़ी सी भी मौसम की मार किसानों की मेहनत पर पानी फेर सकती है। यही कारण है कि किसान अब मौसम की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

सार-समाचार

समूचे जिले में सिद्दत के साथ मनाई गई ईद, विधायक सहित बड़ोनी नगर परिषद अध्यक्ष ने दी मुबारकबाद

समय जगत, दतिया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पवित्र रमजान माह के अंतिम दिन मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद का पर्व सिद्दत व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। जहां जिला मुख्यालय पर चूनगर फाटक बाहर स्थित ईदगाह को नमाज अदा की गई वहीं सिया समुदाय के लोगों ने तरणताल पर स्थित ईदगाह पर नमाज पढी। शनिवार को बड़ोनी में ईद के मुबारक मौके पर बड़ोनी ईदगाह में भाईचारे और सौहार्द का सुंदर नजारा देखने को मिला। बड़ोनी नगर परिषद अध्यक्ष कमलेश अहिरवार ने ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगों से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईदगाह पर ईद की नमाज के तत्पश्चात मुस्लिम समाज के लोगों ने भी एक-दूसरे को गले लगाकर ईद मुबारक कहा। इस अवसर पर दतिया विधायक राजेंद्र भारती, अवधेश नायक आदि लोगों ने गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

जल संरक्षण है हम सब की महत्वपूर्ण एवं सामूहिक जिम्मेदारी: हरेंद्र भार्गव

समय जगत, दतिया। जन अभियान परिषद के तत्वाधान में नवांकुर संस्था सेक्टर 3 की उनाव युवा मंडल समिति एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के द्वारा जल संरक्षण 2026 का आयोजन मंत्र उच्चारण एवं विधि विधान से पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत पहूज नदी बालाजी धाम उनाव से की गई। कार्यक्रम में हरेंद्र भार्गव ने कहा कि जल संरक्षण के लिए सभी लोगों को आगे आकर पानी बचाने की दिशा में कार्य करना होगा क्योंकि आने वाले समय में हमें पानी बचाओ अभियान के लिए आम नागरिकों को जागरूक करना होगा। इस अवसर पर हरेंद्र भार्गव प्राचार्य पीतांबरा संस्कृत महाविद्यालय, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद मुनेंद्र शेजवार, जिला खेल अधिकारी अरविंद सिंह राणा, राजकुमार विश्वकर्मा, अरविंद शर्मा, चतुर्भुज विश्वकर्मा, किरण खरकया, निधि बौद्ध एवं साक्षी बौद्ध आदि उपस्थित रही।

भाजपा का कार्यकर्ता प्रशिक्षित होकर राष्ट्र कल्याण के लिए करता है काम: डॉ. नरोत्तम मिश्रा

समय जगत, दतिया। भारतीय जनता पार्टी सीतापुर मंडल के प्रशिक्षण वर्ग में उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि धीरू दांगी ने की। उद्घाटन सत्र में भाजपा जिला प्रभारी गजेंद्र सिंह सिकरवार, महामंत्री अतुल भूरे चौधरी मंच पर मौजूद रहे। मुख्य वक्ता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित पदाधिकारीओ और कार्यकर्ताओं के बीच कहा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजना की जानकारी नगर और गांव गांव तक पहुंचाएं। केंद्र सरकार की अन्न वितरण, उज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान योजना योजना से देश में हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर आदि के बारे में बिस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता राष्ट्र की संकल्पना को लेकर राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के लिए दृढ़ संकल्प होकर काम करता है यही हमारी निष्ठा है। भाजपा का कार्यकर्ता प्रशिक्षित होकर राष्ट्र कल्याण के लिए काम करता है इसलिए आप सभी कार्यकर्ताओं को राष्ट्र के कल्याण के लिए जो भी करना पड़े वह करें। जब देश का युवा राष्ट्र के लिए काम करेगा तो राष्ट्र मजबूत होगा। हर ग्राम में नवयुवकों को केंद्र सरकार के द्वारा बनाई गई योजनाओं से जोड़ने का काम भी करें। प्रशिक्षण वर्ग में संभाग प्रभारी दीपक सिंह भदोरिया, कुलदीप यादव, मोंटी मिश्रा, महेश पटवा, पंकज गुप्ता, प्रवीण पाठक सहित बड़ी संख्या मंडल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रस्फुटन समितियों का क्षमता संवर्धन सेक्टर स्तरीय प्रशिक्षण किया गया आयोजित

समय जगत, गुढ़। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशों के परिपालन में कल्पना कल्याण समिति द्वारा आयोजित सेक्टर स्तरीय प्रशिक्षण सीएफटी भवन मनिकवार में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात श्री बीपी सिंह, अध्यक्ष कल्पना कल्याण समिति ने प्रस्फुटन समितियों के प्रशिक्षण विषयों पर प्रकाश डालते हुए परिषद की परिकल्पना, सामूहिकता, स्वावलंबन तथा स्वयंसेवी संगठनों के गठन एवं प्रबंधन पर अपने विचार व्यक्त किए। तत्पश्चात परामर्शदाता मनोज नापित ने ग्राम विकास की अवधारणा एवं समितियों के दस्तावेजीकरण विषय पर विस्तार से जानकारी देते हुए सदस्यों को प्रशिक्षित किया।कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित जिला समन्वयक श्री जागेश्वर ताम्रकार ने अपने संबोधन में जल संरक्षण, समाज सेवा एवं परिषद के उद्देश्यों पर विस्तृत विचार रखे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को ग्राम विकास की अवधारणा तथा शासन की योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार हेतु प्रेरित किया।श्रीमती सुषमा शुक्ला, ब्लॉक समन्वयक ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए जल संरक्षण अभियानों में सदस्यों की सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा व्यक्त की।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों को जल संरक्षण एवं नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर मिट्ठू लाल जायसवाल, बरूणेंद्रमणि त्रिपाठी, राजकुमार गुप्ता, संजीव गुप्ता, कवित्री स्नेहा त्रिपाठी, पूजा मिश्रा, सौरभ पांडे (परामर्शदाता), इंद्रलाल प्रजापति, मनीष दुबे, ऋषि देव सहित पांचों समितियों के सदस्य एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

कलयुगी बेटे ने ही की थी मां की हत्या पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

पुनीत कुमार सेन अनूपपुर/भालूमाड़ा। पुलिस ने क्षेत्र में सनसनी फैलाने वाले अंधे कत्ल के मामले का पर्दाफाश करते हुए महज 48 घंटों के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दिल दहला देने वाली इस घटना में मृतिका का सगा बेटा ही उसका कातिल निकला, जिसने जमीन विवाद और घरेलू कलह के चलते अपनी माँ की गला दबाकर हत्या कर दी थी।

खेत में मिला था महिला का शव : मामले का विवरण देते हुए पुलिस ने बताया कि 18 मार्च 2026 को सूचना मिली थी कि ग्राम बरबसपुर के डुग्गी तालाब के पास चूड़ामणि केवट के खेत में एक महिला का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी उप निरीक्षक डी.एस. बागरी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। मृतिका की पहचान नंसी बाई यादव (50 वर्ष), पति भगवान दास उर्फ लल्लू यादव, निवासी बरबसपुर के रूप में हुई।

पोस्ट मार्टम रिपोर्ट से खुला राज: शुरुआत में मामला संदिग्ध था, लेकिन डॉक्टर द्वारा दी गई पीएम रिपोर्ट ने हत्या की पुष्टि कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, महिला की मृत्यु गला दबाने (साड़ी के फंदे या रस्सी) के कारण दम घुटने से हुई थी। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस के तहत हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

शराब और जमीन विवाद बनी हत्या की वजह : पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम ने जब संदेह के आधार पर मृतिका के बड़े बेटे हरिश्चन्द्र उर्फ बियानू यादव (27 वर्ष) को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

जब बुकिंग पर गैस सिलेंडर दिए जा रहे तो लंबी कतार की जगह होम डिलीवरी क्यों नहीं : अजय खरे

केंद्र सरकार के पर्याप्त भंडारण दावे के बावजूद क्यों सही नहीं हो पा रही रसोई गैस आपूर्ति

समय जगत, रीवा। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा है कि ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले के बाद घरेलू ईंधन गैस की होम डिलीवरी बुरी तरह प्रभावित नजर आ रही है। इधर घरेलू गैस सिलेंडर के लिए होम डिलीवरी की जगह उपभोक्ताओं को गोदाम जाकर लंबी कतार में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। लेकिन कोई गारंटी नहीं कि बुकिंग के पश्चात लंबी लाइन में खड़ा होने पर भी आपको भरा सिलेंडर मिल जाए। बहुत से लोगों के खाली हाथ लौटने की शिकायतें भी मिली है। लाइन में यदि टोकन सिस्टम होता तो भीड़ भी छटती और अतिरिक्त लोगों का समय बर्बाद नहीं होता। यह बात व्यवस्था पर सवालिया निशान है। श्री खरे ने सवाल किया कि बुकिंग क्रमांक के अनुसार लोगों के घरों में गैस सिलेंडर की आपूर्ति क्यों नहीं की जा रही है। इस दौरान गैस के दामों में भी 60 की वृद्धि कर दी गई।

वैसे भी गैस सिलेंडर के लिए आने जाने का खर्च भी बढ़ गया। भरा गैस सिलेंडर मिलने में कितना समय लग जाए इसकी भी कोई सीमा नहीं है। श्री खरे ने कहा कि परंपरागत ईंधन साधनों की जगह बड़े पैमाने पर ईंधन की विदेशी निर्भरता से आत्म निर्भर भारत के दावे खोखले नज़र आ रहे है। अमेरिका और इजरायल के द्वारा ईरान पर किए गए हमले और जवाबी कार्रवाई से पश्चिम एशिया

के युद्ध क्षेत्र बन जाने से जगह जगह ईंधन गैस के लिए लंबी कतारें और मारामारी दिखाई दे रही है। एक सिलेंडर मिलने के बाद दूसरे के लिए शहरी क्षेत्र में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन का समय निर्धारित किया गया है। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता ने एक अपील में कहा है कि घबराएं नहीं अफवाहों से बचें घर पर ही मिलेगा रसोई गैस सिलेंडर। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। पेट्रोलियम मंत्रालय के द्वारा देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद होने का दावा करने के बाद भी अराजक हालात निर्मित होना व्यवस्था पर सवाल है। ऐसी स्थिति में सिलेंडरों की कालाबाजारी होने की बात से इनकार नहीं किया जा सकता है। उम्र के अंतिम पड़ाव में वरिष्ठ नागरिक इस हालत में नहीं कि वे सिलेंडर लेकर लंबी लाइन का सामना कर सकें। लम्बी लाइन में लगने पर जिन लोगों को सिलेंडर मिला है, उनसे होम डिलीवरी का शुल्क भी वसूला जा रहा है। ईंधन गैस का संकट इस कदर है कि खाना पकाने के लिए लोग सिलेंडर की अधिक से अधिक कीमत भी चुकाने के लिए मजबूर हैं। शहरी क्षेत्रों में पक्के घर होने की वजह से लकड़ी, बुरादा और कोयला से खाना पकाना मुश्किल है।

किरायेदारों के लिए तो और भी मुश्किल है। उन्हें तो मकान मालिक के द्वारा धुएं के नाम पर घर खाली करने के लिए भी कहा जा सकता है। बिजली से खाना पकाना खतरे से खाली नहीं है। बिजली का बिल भी काफी आएगा। श्री खरे कहा कि सरकार के ईंधन गैस के पर्याप्त भंडारण के दावे के बावजूद आखिरकार लोगों के घरों तक गैस सिलेंडर क्यों नहीं पहुंच पा रहे हैं। ऐसे मौके पर एलपीजी की जगह पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देने की बात उपभोक्ताओं की मजबूरी का फायदा उठाना जैसा है। श्री खरे ने कहा कि खाना पकाने के ईंधन को लेकर लोगों की चिंताएं और आक्रोश स्वाभाविक हैं। लोगों के सुबह से लंबी लाइन में खड़ा होने के बाद भी जरूरतमंदों को समय पर सिलेंडर की आपूर्ति नहीं हो पाना बहुत चिंताजनक और आपत्तिजनक बात है।

सज गया मां का दरबार, भक्तों की लग रही कतार मढ़िया में गूंज रही माता रानी की जय - जय कार

रीवा। श्री सिंह वाहिनी माता भटिया का स्थान अत्यंत प्राचीन है। यह पूरा पहाड़ी इलाका है। पूर्व में पमारों की बस्ती थी। सन 1650 में श्री नवल शाह सोहागपुर इलाका से बंट कर यहां आए। और इस जगह में पड़ाव डालकर निवास स्थान बनाने लगे। खुदाई के दौरान माता की प्रतिमा प्राप्त हुई, जिसे वहीं स्थापित कर पूजा-अर्चना करने लगे, श्री नवल शाह के पुत्र जैत सिंह हुए। उन्हें माता ने स्वप्न दिया कि तुम यहां से थोड़ी दूर पर एक जैती का पेड़ है, वहां अपना निवास बनाओ। माता के आदेश से श्री जैत सिंह आए और अपने नाम से जैतपुर बसाकर रहने लगे। लेकिन माता की पूजा अर्चना बराबर करते रहे श्री जैत सिंह के सातवीं पीढ़ी में श्री जगन्नाथ सिंह जी हुए। वो माता के अनन्य भक्त थे। उनका ज्यादा समय माता के सेवा में व्यतीत होता था, माता उनको सिद्ध थी। जैतपुर का इलाका रीवा रियासत के अधीन था, वर्ष में एक बार सभी इलाकेदारों को रीवा जाकर इलाके का ब्योरा देना पड़ता था। एक वर्ष जब ब्योरा देने के लिए रीवा गए, वहां पहुंचकर देखा तो कागज यही भूल गए थे। इससे बहुत परेशान हुए

दरबार में कागज न पहुंचना बड़ी शर्मिंदगी वाली बात थी, एक रात में जैतपुर से रीवा कागज पहुंचाना असंभव था। अब तो सिर्फ माता का ही सहारा था, रात भर माता की प्रार्थना करते-करते आंख लग गई, सपने में माता ने गाल पर एक तमाचा मारा और कहा की तकिया के नीचे देख?। तमाचा पड़ते ही आंख खुल गई, और देखा तो सभी कागज तकिया के नीचे मिले? जय हो माता की, इस तरह माता की असीम कृपा थी। श्री जगन्नाथ सिंह के समय से माता की पूजा अर्चना के लिए पुजारी शिव प्रसाद द्विवेदी को रखा गया था। वह दोनों पति-पत्नी भाटिया में छोटी झोपड़ी बनाकर रहते थे। और माता की पूजा करते थे। पूजा का पूरा खर्च जैतपुर रियासत से मिलता था। पूजा के निमित्त पुजारी को तीन एकड़ जमीन भी पुजारी के खर्च के लिए दिए थे। शिव प्रसाद के मृत्यु के बाद उनके पुत्र रामसुंदर माता की सेवा में थे, उनके तीन पुत्र हैं जो उनके बाद तीनों माता की सेवा करते हैं, श्री जगन्नाथ सिंह के बाद उनके पुत्र श्री राजेंद्र सिंह हुए, उनका शासन काल ज्यादा समय नहीं रहा सन 1947 में उनके मृत्यु के पश्चात पत्नी श्री मति सीता कुमारी के द्वारा माता की सेवा होती रही पति के स्मृति में 1954 में पत्थर का मंदिर बनवाया, दो पत्थर में स्मृति चिन्ह भी दीवार में लगवा दिया था। जो मंदिर के जीर्णोद्धार के समय अस्त- व्यस्त हो गया। श्री नवल शाह के कई वंश वृक्ष हुए जो बघेल सरनेम से सोन नदी के इस पर से लेकर कोरिया बॉर्डर तथा छत्तीसगढ़ बॉर्डर तक स्थापित हैं।

प्रशासन ने 41 फुट हटाया था अतिक्रमण नगर परिषद ने 35 फुट बनाया रोड

दतिया। विगत दिनों पूर्व इंदरगढ़ नगर के शीतला माता मंदिर के पास रोड के लिए प्रशासन शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर बनी 11 दुकानों पर बुलडोजर चलाकर 41 फुट का अतिक्रमण हटाया गया था जिसमें कुछ दुकाने संपूर्ण नष्ट हुई थी। अतिक्रमण से मुक्त हुई जमीन पर नगर परिषद द्वारा 35 से 37 फुट का रोड डाला गया है शेष बची जगह पर दुकानदारों द्वारा सीसी पिलर लगाकर दोबारा अतिक्रमण किया जा रहा है जिससे मार्ग सकरा होने की संभावना है।

जब 35 फुट निर्माण करना था तो 41 फुट क्यों तोड़ी: जब नगर परिषद द्वारा 35 फुट निर्माण करना था 41 फुट दुकानों को क्यों तोड़ा गया जिस पर इंदरगढ नगर परिषद के इंजीनियर नंदकिशोर गोस्वामी का कहना है कि दोनों दोनों तरफ दो-दो फुट की नाली निर्माण करना है। नगर परिषद की अनदेखी के कारण दोबारा अतिक्रमण कर रोड हो सकता है सकरा। इंदरगढ़ नगर परिषद एवं प्रशासन की अनदेखी कारण दुकानदार दूसरी बार अतिक्रमण करने लगे हैं जिससे मार्ग सकरा होने की संभावना है जिससे लोगों को परेशानी हो सकती है।

भावुक क्षणों में छलके श्रद्धालुओं के आंसू

पूनम दीदी की सुर संध्या में उमड़ी भीड़, झूमे श्रद्धालु

समय जगत बड़वाह। गोपाल मंदिर भक्त मंडल बड़वाह एवं भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विशाल पाठक के संयुक्त तत्वाधान में हिंदू नववर्ष के पवन अवसर पर गोपाल मंदिर महंत हनुमान दास महाराज के सानिध्य में नगर सेठ की बाड़ी में आयोजित कार्यक्रम शुक्रवार रात्रि 9 बजे भजन गायिका ब्रज रस अनुरागी पूर्णिमा (पूनम दीदी) ने अपनी सुमधुर वाणी में भजनों की सिलसिलेवार प्रस्तुति से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ सुंदर धाम आश्रम के श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर बालकदास जी महाराज और सत्ती घाटा मंदिर के महंत सुंदर भारती जी महाराज भी विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया।

मुझे अपने ही रंग में रंग ले मेरे यार सांवरे भजन की प्रस्तुति दी: पूनम दीदी ने मुझे अपने ही रंग में रंग ले मेरे यार सांवरे नंद लाला बृज में आए÷, ÷श्याम मोरे नैनन आगे रहियो÷, ÷तू जितने मर्जी दुख दे दे÷, ÷आ जा श्यामा तेरी याद आई÷ और ÷तेरे बिना घनश्याम÷राधे-राधे जपो चले आएंगे बिहारी÷ और ÷मेरे सिर पर रख दो हाथ, दीनानाथ÷ जैसे की प्रस्तुति दी, पूरा पंडाल भक्तिरस में सराबोर हो गया। श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे और कई भक्तों की आंखों से भावुकता के आंसू छलक पड़े। भजनों के दौरान कृष्ण नाम की रसधारा बहती रही और माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया।

बोले श्रोता यादगार रहेगी सुर संध्या: विशाल पाठक ने बताया कि किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयसिंह चावड़ा ने हिंदू नववर्ष के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं प्रेषित का संदेश दिया है। नगर पालिका अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि गोपाल मंदिर भक्त मंडल बड़वाह एवं भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विशाल पाठक के संयुक्त तत्वाधान में सुर संध्या ने दिल खुश कर दिया। इतना आनंद हमें कभी किसी कार्यक्रम में नहीं आया, जितना यहां आया है। बेहतरीन आयोजन है। उम्मीद है कि आगे भी ऐसे कार्यक्रम भाजपा किसान मोर्चा के द्वारा कराया जाएगा।

इनकी रही अहम भूमिका: आयोजित सुर संध्या में मुख्य भूमिका गोपाल मंदिर भक्त मंडल बड़वाह महंत हनुमान दास जी महाराज विशाल पाठक नगर सेठ की बाड़ी गणेश पटेल मित्र मंडल पुलिस प्रशासन की अहम भूमिका रही।इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। इनमे पूर्व विधायक हितेंद्र सिंह सोलंकी, नपा अध्यक्ष राकेश गुप्ता भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सुराणा पार्षद गणेश पटेल, रजनी भंडारी, सुनील चौधरी, अनिल राय पंडित अखिलेश गौतम सटी शर्मा राजू राठौड़ सुनील नामदेव और विजय महाजन प्रमुख थे। बड़ी संख्या में भक्तगण भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन डॉ परेश विजयगीय द्वारा किया गया।

श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई: कार्यक्रम के समापन पर श्री गोपाल मंदिर भक्त मंडल की ओर से सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई थी। मंडल के सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

इजराइल- ईरान युद्ध से विश्वभर में बढ़ रही है महंगाई

अमेरिका, इजराइल एवं ईरान के बीच छिड़क युद्ध का विश्वभर में व्यापक असर देखा जा रहा है। इन देशों में खून खराबे और बड़े पैमाने पर आर्थिक हानि तो हो ही रही है। साथ ही भारत सहित विश्व के देशों में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता सहित कई चीजों पर प्रभाव पड़ रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण,आपूर्ति और कीमतों का खेल अब हथियार बन चुका है। बता दें,मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच बुधवार को एक बड़ा और खतरनाक मोड़ सामने आया, जब ईरान के विशाल पार्स गैस फील्ड पर हमला हुआ,यह पहली बार है जब खाड़ी क्षेत्र में ईरान के ऊर्जा ढांचे को सीधे कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है, इसके बाद वहां काम कर रहे कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया और आग बुझाने के लिए इमरजेंसी टीमों को लगाया गया। हमले के बाद ईरान ने कड़ा रुख अपनाते हुए सऊदी अरब, यूएई और कतर को सीधी चेतावनी दी है,ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि इन देशों के कई ऊर्जा ठिकाने अब सीधे निशाने पर हैं और आने वाले घंटों में उन पर हमला किया जा सकता है,ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार,लोगों और कर्मचारियों से इन इलाकों को तुरंत खाली करने की अपील की गई है। ईरान ने जिन ठिकानों को निशाना बनाने की चेतावनी दी है,उनमें सऊदी अरब की सैमरेफ रिफाइनरी और जुबैल पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स, यूएई का अल होसन गैस फील्ड और कतर के मेसाइद पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स, मेसाइद होल्डिंग कंपनी और रास लफान रिफाइनरी शामिल हैं,इस पूरे संघर्ष का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी साफ दिखाई दे रहा है, अमेरिका में डीजल की कीमत 5 डॉलर प्रति गैलन से ऊपर पहुंच गई है, जो 2022 के बाद पहली बार हुआ है। इसके अलावा, खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीयों पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है,जिससे रेमिटेंस (विदेशी धन) पर असर पड़ेगा।चीन और रूस इस पूरे समीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं रूस, जो खुद एक बड़ा ऊर्जा निर्यातक है,इस स्थिति का लाभ उठाकर वैश्विक बाजार में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है।इस संकट का समाधान केवल सैन्य माध्यम से संभव नहीं है। कूटनीतिक वार्ता,क्षेत्रीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। यदि सभी पक्ष संयम बरतते हैं और संवाद का रास्ता अपनाते हैं, तो स्थिति को नियंत्रित किया जा सकती है। इस युद्ध के चलते हिंसा, रक्तपात के साथ अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, ऐसे में अमेरिका, इजराइल एवं ईरान के बीच शीघ्र युद्ध विराम जरूरी है।

भारतीय स्वातंत्र्य समर के वासंती ओज सरदार भगत सिंह

नजरिया

भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी, अद्वितीय साहस और अद्भुत देशभक्ति के प्रतीक थे। उनका जीवन केवल 23 वर्षों का था, लेकिन इस अल्प आयु में उन्होंने जो कार्य किए, वे सदियों तक देशवासियों को प्रेरित करते रहेंगे। भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लायलपुर जिले (अब पाकिस्तान में) के बंगा गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम सरदार किशन सिंह और माता का नाम विद्यावती था। उनके परिवार में देशभक्ति का माहौल था, जिससे उनके मन में बचपन से ही देशप्रेम की भावना विकसित हुई। भगत सिंह के चाचा अजीत सिंह और स्वर्ण सिंह भी स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े हुए थे। यही कारण था कि भगत सिंह बचपन से ही अंग्रेजों के अत्याचारों को समझने लगे थे। 1919 में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला। इस घटना के बाद उन्होंने निश्चय कर लिया कि वे देश को स्वतंत्र कराने के लिए अपना जीवन समर्पित कर देंगे।भगत सिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लाहौर में प्राप्त की। वे पढ़ाई में तेज थे और इतिहास तथा राजनीति में विशेष रुचि रखते थे।

सुरेन्द्र शर्मा

महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए असहयोग आंदोलन में भी उन्होंने भाग लिया, लेकिन जब 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद आंदोलन वापस ले लिया गया, तो वे निराश हुए और उन्होंने क्रांतिकारी मार्ग अपनाने का निर्णय लिया। भगत सिंह ने कई क्रांतिकारी संगठनों के साथ मिलकर कार्य किया। वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के प्रमुख सदस्य थे। उनका उद्देश्य केवल अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालना ही नहीं, बल्कि एक समाजवादी और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना करना भी था। 1928 में जब ब्रिटिश सरकार ने साइमन कमीशन भारत भेजा, तो पूरे देश में इसका विरोध हुआ। इस विरोध प्रदर्शन में लाला लाजपत राय पर अंग्रेज पुलिस अधिकारी जेम्स ए. स्कॉट के आदेश पर लाठीचार्ज किया गया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना का बदला लेने के लिए भगत सिंह और उनके साथियों ने पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या कर दी। इसके बाद भगत सिंह ने अपने साथी बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर 8 अप्रैल 1929 को दिल्ली की सेंट्रल असेंबली में बम फेंका। उनका उद्देश्य किसी को मारना नहीं था, बल्कि अंग्रेजों को यह संदेश देना था कि भारतीय अब चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने बम फेंकने के बाद इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए और स्वयं को गिरफ्तार करवा दिया। जेल में रहते हुए भगत सिंह ने कैदियों के अधिकारों के लिए भूख हड़ताल की। उन्होंने यह मांग की कि भारतीय कैदियों के साथ भी वही व्यवहार किया जाए, जो अंग्रेज कैदियों के साथ किया जाता है। उनकी यह हड़ताल कई दिनों तक चली और पूरे देश में उनके समर्थन में आवाजें उठीं। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की मित्रता भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सबसे प्रेरणादायक और ऐतिहासिक मित्रताओं में से एक मानी जाती है। यह मित्रता केवल व्यक्तिगत संबंध नहीं थी, बल्कि एक साझा लक्ष्य(देश की आज़ादीआधारित थी) इन तीनों की मुलाकात क्रांतिकारी गतिविधियों के दौरान हुई। वे सभी हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य थे। संगठन में काम करते हुए उनके विचार, उद्देश्य और देशभक्ति की भावना एक-दूसरे से गहराई से जुड़ गई। धीरे-धीरे यह संबंध सच्ची मित्रता में बदल गया। तीनों ही युवाओं का मानना था कि केवल शांतिपूर्ण तरीकों से अंग्रेजों को भारत से बाहर नहीं किया जा सकता। वे क्रांतिकारी मार्ग को आवश्यक समझते थे। देश के लिए कुछ बड़ा करने का जुनून, अन्याय के खिलाफ विद्रोह और स्वतंत्रता की तीव्र इच्छा–इन सबने उनकी मित्रता को और मजबूत बनाया। भगत सिंह विचारों के धनी, लेखक और दूरदर्शी नेता थे तो सुखदेव संगठनकर्ता और रणनीतिक सोच वाले क्रांतिकारी थे जबकि राजगुरु साहसी और निर्भीक योद्धा थे। इन तीनों की अलग-अलग विशेषताएँ एक-दूसरे को पूरक बनाती थीं। 1928 में लाला लाजपत राय की मृत्यु के बाद, इन तीनों ने मिलकर बदला लेने की योजना बनाई। इसी के तहत ब्रिटिश अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या की गई। यह घटना उनकी मित्रता और एकजुटता का सबसे बड़ा उदाहरण है, जहाँ उन्होंने मिलकर एक बड़े मिशन को अंजाम दिया। इनकी मित्रता का सबसे मजबूत पक्ष था–अटूट विश्वास। उन्होंने कभी एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। जब वे गिरफ्तार हुए, तब भी उन्होंने अपने साथियों के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया। उन्होंने अपने उद्देश्य के लिए हँसते-हँसते फांसी स्वीकार कर ली। 23 मार्च 1931 को, इन तीनों को एक साथ फांसी दी गई। यह दिन आज शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनकी शहादत ने यह साबित कर दिया कि उनकी मित्रता केवल जीवन तक सीमित नहीं थी, बल्कि मृत्यु तक अटूट बनी रही भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की मित्रता आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा है। भगत सिंह का अदालत में दिया गया बयान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह बयान उन्होंने 1929 में दिल्ली की सेंट्रल असेंबली में बम फेंकने के बाद अदालत में पेश होकर दिया था। इस बयान में उन्होंने अपने कार्यों के पीछे की सोच, उद्देश्य और क्रांतिकारी विचारधारा को स्पष्ट किया। भगत सिंह और उनके साथी बटुकेश्वर दत्त ने अदालत में कहा कि हमने बम फेंका, लेकिन हमारा उद्देश्य किसी को

मारना नहीं था। हम केवल बहरी सरकार को सुनाना चाहते थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि बम जानबूझकर ऐसी जगह फेंका गया जहाँ किसी की जान न जाए। उनका उद्देश्य हिंसा फैलाना नहीं, बल्कि अंग्रेजी शासन के अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाना था। भगत सिंह ने अदालत में इंकलाब जिंदाबाद के नारे का अर्थ समझाते हुए कहा कि इसका मतलब केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि समाज में अन्याय, शोषण और असमानता को समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि क्रांति से हमारा मतलब यह नहीं है कि खून-खराबा हो, बल्कि यह है कि समाज की वर्तमान व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया जाए। उनके अनुसार क्रांति का उद्देश्य एक न्यायपूर्ण और समानता आधारित समाज बनाना था। भगत सिंह ने अदालत में ब्रिटिश सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों का शासन भारतीयों का शोषण कर रहा है और जनता के अधिकारों को दबा रहा है। उन्होंने बताया कि वे भाग सकते थे, लेकिन उन्होंने जानबूझकर आत्मसमर्पण किया ताकि वे अदालत को एक मंच बनाकर अपने विचार पूरे देश तक पहुंचा सकें। भगत सिंह का बयान केवल एक कानूनी बचाव नहीं था, बल्कि यह युवाओं के लिए एक संदेश भी था कि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं और देश के लिए समर्पित रहें। भगत सिंह के इस बयान ने पूरे देश में नई चेतना पैदा कर दी। उनके विचार तेजी से फैलने लगे और वे युवाओं के आदर्श बन गए। अदालत का यह मंच उनके लिए एक क्रांतिकारी विचारधारा को जनता तक पहुँचाने का माध्यम बन गया। भगत सिंह और भगवती चरण बोहरा का संबंध भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में गहरी मित्रता, वैचारिक एकता और क्रांतिकारी सहयोग का प्रतीक है। दोनों ने मिलकर न केवल अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष किया, बल्कि एक संगठित क्रांतिकारी आंदोलन को दिशा भी दी। भगवती चरण बोहरा, भगत सिंह के अत्यंत करीबी सहयोगी और मित्र थे। वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के प्रमुख सदस्यों में से एक थे। भगत सिंह जहाँ एक विचारक और प्रेरक नेता थे वहीं बोहरा संगठन के रणनीतिकार और योजनाकार थे दोनों की यह साझेदारी आंदोलन की ताकत बनी भगवती चरण बोहरा ने बम का दर्शन नामक प्रसिद्ध लेख लिखा, जो क्रांतिकारी विचारधारा को स्पष्ट करता है और जिसे भगत सिंह के विचारों से भी जोड़ा जाता है। दोनों ही क्रांतिकारी केवल स्वतंत्रता ही नहीं, बल्कि एक समानता और न्याय पर आधारित समाज की स्थापना चाहते थे वे समाजवाद के समर्थक थे शोषण और अन्याय के खिलाफ थे युवाओं में जागरूकता फैलाना चाहते थे भगत सिंह और भगवती चरण बोहरा के बीच गहरा विश्वास था। वे एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करते थे कठिन परिस्थितियों में भी एक-दूसरे का साथ देते थे,भगवती चरण बोहरा की पत्नी दुर्गा भाभी भी इस क्रांतिकारी आंदोलन में सक्रिय थीं और भगत सिंह की सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1930 में बम परीक्षण के दौरान भगवती चरण बोहरा की मृत्यु हो गई। यह घटना क्रांतिकारी आंदोलन के लिए बड़ा आघात थी। भगत सिंह को इससे गहरा दुख हुआ इसके बावजूद आंदोलन जारी रहा और उनके विचार जीवित रहे। भगत सिंह और चन्द्र शेखर आज़ाद का संबंध भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में गुरु-शिष्य, साथी और क्रांतिकारी सहयोग का अद्भुत उदाहरण है। दोनों ने मिलकर अंग्रेजी शासन के खिलाफ सशक्त और संगठित क्रांतिकारी आंदोलन खड़ा किया भगत सिंह और चन्द्रशेखर आज़ाद की मुलाकात क्रांतिकारी गतिविधियों के दौरान हुई आज़ाद उस समय अनुभवी और वरिष्ठ क्रांतिकारी थे भगत सिंह युवा, उत्साही और विचारशील क्रांतिकारी थे धीरे-धीरे यह संबंध गहरे विश्वास और सम्मान में बदल गया। दोनों हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के प्रमुख स्तंभ थे। चन्द्रशेखर आज़ाद संगठन के नेता और मार्गदर्शक थे भगत सिंह- विचारक, योजनाकार और प्रेरक दोनों ने मिलकर संगठन को नई दिशा और शक्ति दी सॉन्डर्स वध (1928) लाला लाजपत राय की मृत्यु का बदला लेने के लिए की गई इस कार्रवाई में दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका थी। योजना में भगत सिंह शामिल थे। आज़ाद ने पूरे ऑपरेशन को सुरक्षा और नेतृत्व दिया हालांकि बम फेंकने का कार्य भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने किया, लेकिन इसके पीछे आज़ाद का मार्गदर्शन और रणनीति थी दोनों का लक्ष्य केवल आज़ादी नहीं था, बल्कि एक समानतामूलक और न्यायपूर्ण समाज बनाना, अंग्रेजी शासन का अंत करना युवाओं में क्रांतिकारी चेतना जगाना।

श्रद्धा और सौभाग्य की अनुपम परंपरा है गणगौर उत्सव

कांतिलाल मांडोत

भारत की सांस्कृतिक परंपराएँ विविधता और आस्था का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती हैं। इन्हीं परंपराओं में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और लोकजीवन से गहराई से जुड़ा हुआ पर्व है गणगौर। यह उत्सव विशेष रूप से राजस्थान की पहचान माना जाता है, किंतु भारत के लगभग सभी प्रांतों में अलग-अलग नामों और रीति-रिवाजों के साथ इसे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। गणगौर का यह पर्व नारी के सौभाग्य, प्रेम, समर्पण और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना का प्रतीक है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय नारी की आस्था, विश्वास और सांस्कृतिक मूल्यों का जीवंत उदाहरण है। गणगौर शब्द दो भागों से मिलकर बना है–'गण' अर्थात भगवान शिव और 'गौर' अर्थात पार्वती। इस प्रकार यह पर्व शिव और पार्वती के पावन दांपत्य जीवन का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह उत्सव चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है, जिसे गौरी तृतीया भी कहा जाता है। इस दिन महिलाएँ विशेष रूप से माता पार्वती की पूजा करती हैं और उनसे अखंड सौभाग्य तथा सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद मांगती हैं। शास्त्रों और पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार एक बार भगवान शिव, पार्वती और नारद के साथ पृथ्वी लोक का भ्रमण कर रहे थे। भ्रमण के दौरान वे एक गांव में पहुँचे, जहाँ उस दिन चैत्र शुक्ल तृतीया का पावन दिन था। जब गाँव की स्त्रियों को यह ज्ञात हुआ कि स्वयं शिव और पार्वती उनके बीच आए हैं, तो वे अत्यंत प्रसन्न हुईं और उनका पूजन करने की तैयारी में जुट गईं। इस दौरान समाज की साधारण स्त्रियाँ बिना विलंब किए सरल भाव से पूजा की सामग्री लेकर पहुँच गईं, जबकि संपन्न वर्ग की स्त्रियाँ विस्तृत तैयारी में समय लगा रही थीं। पार्वती जी ने उन साधारण स्त्रियों की सच्ची भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद दिया। बाद में जब सुसज्जित स्त्रियाँ पूजन के लिए आईं, तब पार्वती जी ने उन्हें भी विशेष आशीर्वाद प्रदान किया। इस कथा का सार यह है कि ईश्वर के समक्ष बाहरी आडंबर से अधिक महत्व सच्ची श्रद्धा और भक्ति का होता है। यही संदेश गणगौर पर्व के मूल में निहित है। एक अन्य कथा के अनुसार पार्वती जी ने इस दिन नदी तट पर स्नान कर बालू से शिवलिंग बनाकर उनकी पूजा की थी। उन्होंने यह पूजा एकांत में और शिव जी से छिपकर की थी, किंतु अंतर्यामी शिव ने उनकी इस निष्ठा को पहचान लिया और उन्हें अटल सौभाग्य का वरदान दिया। इसी कारण यह व्रत विशेष रूप से महिलाओं द्वारा किया जाता है और इसकी सभी विधियाँ महिलाएँ ही संपन्न करती हैं। गणगौर के दिन महिलाएँ विशेष रूप से सोलह श्रृंगार करती हैं और सुंदर वस्त्र एवं आभूषण धारण करती हैं। घर में एक पवित्र स्थान पर चौकोर वेदी बनाकर उसे हल्दी, चंदन, केसर और अन्य पवित्र सामग्रियों से सजाया जाता है। इसके बाद बालू या मिट्टी से गौरी अर्थात पार्वती की प्रतिमा बनाई जाती है। इस प्रतिमा को सुहाग की वस्तुओं जैसे काँच की चूड़ियाँ, सिंदूर, रोली, महावर आदि से सजाया जाता है और फल, फूल तथा नैवेद्य अर्पित किए जाते हैं। पूजा के दौरान महिलाएँ भजन-कीर्तन करती हैं और पार्वती जी की आराधना में लीन रहती हैं। इस दिन विशेष रूप से एक समय ही भोजन करने का विधान है, जो व्रत की पवित्रता और अनुशासन को दर्शाता है। पूजा के पश्चात महिलाएँ गौरी को अर्पित सिंदूर को अपनी मांग में भरती हैं, जो उनके सौभाग्य और वैवाहिक सुख का प्रतीक माना जाता है।

गणगौर पर्व का एक सामाजिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। विवाह के बाद नवविवाहिता लड़की अपने मायके में पहला गणगौर मनाती है और वहाँ से 'वायना' के रूप में मिठाई, वस्त्र और सुहाग सामग्री ससुराल भेजती है। इसके बाद वह प्रत्येक वर्ष अपने ससुराल में यह पर्व मनाती है और अपनी सास को सम्मान स्वरूप भेंट देती है। इस परंपरा से परिवारों के बीच प्रेम, सम्मान और संबंधों की मधुरता बनी रहती है। इस अवसर पर विशेष रूप से 'गुने' नामक मिठाई बनाई जाती है, जो लंबे समय तक सुरक्षित रहती है। इसके अतिरिक्त सोलह सुहागिन महिलाओं को भोजन कराकर उन्हें श्रृंगार की सामग्री और दक्षिणा देना भी इस पर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह परंपरा समाज में सहयोग, सम्मान और सामूहिकता की भावना को प्रोत्साहित करती है। गणगौर केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोक संस्कृति और उत्सवधर्मिता का भी प्रतीक है। इस दौरान कई स्थानों पर शोभायात्राएँ निकाली जाती हैं, लोकगीत गाए जाते हैं और महिलाएँ पारंपरिक नृत्य करती हैं। विशेषकर राजस्थान में यह उत्सव अत्यंत भव्य रूप से मनाया जाता है, जहाँ यह लोकजीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। इस पर्व की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह नारी शक्ति, समर्पण और आस्था का उत्सव है। पार्वती जी का जीवन आदर्श पतिव्रता और समर्पित पत्नी के रूप में देखा जाता है, और महिलाएँ उनके इस स्वरूप से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करती हैं। अंततः कहा जा सकता है कि गणगौर उत्सव भारतीय संस्कृति की उस गहराई को दर्शाता है, जिसमें आस्था, परंपरा, सामाजिक संबंध और नारी सम्मान का अद्भुत समन्वय है। यह पर्व केवल पूजा-अर्चना का अवसर नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों को समझने और उन्हें अपनाने का भी माध्यम है। आज के आधुनिक युग में भी गणगौर की यह परंपरा हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखती है और यह संदेश देती है कि सच्ची श्रद्धा, प्रेम और समर्पण ही जीवन के वास्तविक आधार हैं।

राजस्थान में सिंचाई और पेयजल की समस्या का हो रहा समाधान

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री राजस्थान

राजस्थान को देखने की जब बात होती है, तब देश-दुनिया के लोग इसे मुख्य रूप में दो नजरिये से देखते हैं- एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासतों, वीर जवानों की भूमि और दूसरा विशाल मरुस्थल को अपने कोख में समेटे एक प्रदेश। राजस्थान की ये दो छवियां यहां के विकास के मानबिंदु होते हैं, इसीलिए हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के विजन को आत्मसात करते हुए इन दोनों क्षेत्रों में समानांतर कार्य किए हैं और मरुभूमि को विकासभूमि, जल संपदा से परिपूर्ण भूमि बनाने की दिशा में एक से बढ़कर एक कदम उठाए हैं। राजस्थान सरकार मरुभूमि को जलज बनाने के लिए कई बड़े कदम उठा रही है जिससे तय है कि पानी की विकराल समस्या पर काबू पा लिया जाएगा। यहां लगभग पौने दो लाख वर्ग किलोमीटर मरुस्थल है जिसे थार रेगिस्तान कहा जाता है। हमारी सरकार ने जल सुरक्षा को सर्वोच्च वरीयता दी है और सिंचाई तथा पेयजल की व्यवस्था के लिए कमर कस लिया है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल देने का गंभीर प्रयास जारी है जिसमें अपार सफलता मिलती दिख रही है। राम जल सेतु लिंक परियोजना इसमें बहुत कारगर हो रही है और इसके तहत कुल 26 हजार करोड़ रुपये के वर्क आर्डर दिए जा चुके हैं। इस परियोजना के कार्यान्वयन से जल की दीर्घकालीन उपलब्धता संभव होगी जिससे राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में कृषि को बढ़ावा मिल सकेगा। जल जीवन योजना के जरिये गांवों में 14 लाख परिवारों को नल से जल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इसके लिए राज्य सरकार ने अब तक 10,700 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यमुना जल समझौता ईआरसीपी से भी राजस्थान को बहुत फायदा पहुंचेगा। इन प्रयासों को मजबूत करने में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान का भी बड़ा योगदान रहा और इसके तहत राज्य भर में 16 हजार से भी ज्यादा भूमिगत जल रिचार्ज ढांचे अप्रवासी राजस्थानियों के योगदान से तैयार किए गए। प्रदेश में जल व्यवस्था को सुचारु बनाने से राज्य के किसानों को खेती संबंधी कार्यों में बहुत मदद मिलेगी। उन इलाकों में भी सिंचाई के लिए पानी मिलेगा, जहां अब तक इसकी कमी थी। इसके अलावा, किसानों को प्रदेश के 65 लाख पीएम किसान लाभार्थियों को भविष्य में नौ हजार के बजाय 12 हजार रुपये मिलेंगे। यह भी देखने योग्य बात है कि राजस्थान के

किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत साल में छह हजार रुपये मिलते हैं, जबकि प्रदेश सरकार की ओर से तीन हजार रुपये दिए जाते हैं, जिसे बढ़ाकर छह हजार रुपये कर दिया गया है। हमारी सरकार अक्षय ऊर्जा उत्पादन की क्षमता वर्ष 2030 तक 125 गीगावाट और 2040 तक 225 गीगावाट करने का लक्ष्य रखती है। इससे राज्य में बिजली प्रचुर मात्रा में तो मिलेगी ही, दूसरे राज्यों को भी बेची जा सकेगी। इससे राज्य के जीडीपी में भारी बढ़ोतरी होगी। वर्ष 2047 तक हमारा लक्ष्य है कि हम उच्च जीडीपी वाले तीन राज्यों में शामिल हो जाएं। हम केवल सौर ऊर्जा पर ही काम नहीं कर रहे हैं, पवन ऊर्जा (विंड एनर्जी) से कई जिलों में कई गीगावाट बिजली उत्पादन करने का भी लक्ष्य है। युवाओं को रोजगार दिलाना तथा महिला सशक्तीकरण हमारे लिए बड़ी वरीयता है। आर्थिक विस्तार और इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण से युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के रास्ते खुल रहे हैं। राइजिंग राजस्थान समिट में निवेशकों की गहन रुचि के कारण 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं जिससे बड़े पैमाने पर युवाओं को रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा। राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ महिलाओं तक पहुंचे, इसकी व्यवस्था भी की गई है। मुख्यमंत्री रसोई गैस योजना के तहत रसोई गैस के सिलिंडर महज 450 रुपये में उपलब्ध कराए जा रहे हैं और 1,066 करोड़ रुपये की सब्सिडी सीधे लाभार्थी महिलाओं के खाते में भेजी जा रही है। लखपति दीदी योजना के अंतर्गत 16 लाख महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है जिससे 12 लाख महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी होने में सफल हुई हैं। इनके अलावा, हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में हो रहे संग्राम के कारण संभावित गैस की कमी को ध्यान में रखकर अनिवार्य वस्तु कानून को लागू कर दिया है, ताकि इसकी जमाखोरी और मुनाफाखोरी रोकी जा सके और जनता को रसोई गैस आसानी से सुलभ हो सके। भाजपा सरकार से जनता में उम्मीदें बहुत हैं और हमें खुशी है कि हम उन पर खरे उतर रहे हैं। हालांकि प्रगति का यह रास्ता लंबा तथा कठिन है, लेकिन हम यह आशा करते हैं कि दूरदर्शिता, कर्मठता और ईमानदारी से हम अपना लक्ष्य अवश्य पा लेंगे। इस समय राजस्थान सरकार एक साथ कई परियोजनाओं पर पूरी निष्ठा से काम कर रही है। हम शिक्षा के उत्थान के लिए तो काम कर ही रहे हैं, स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर उठाने के लिए भी प्रयासरत हैं। हमारे काम में पारदर्शिता, ईमानदारी है और हम 'सब का विकास' का अपना लक्ष्य पाने के लिए प्रयासरत हैं।

संस्मरण की सशक्त आवाज़ को मिला सम्मान

डॉ. वेदमित्र शुक्ला

हिंदी साहित्य की बहुआयामी और सशक्त रचनाकार ममता कालिया को उनके चर्चित संस्मरण जीते जी इलाहाबाद (2021) के लिए वर्ष 2025 के साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाना हिंदी साहित्य जगत के लिए एक सुखद क्षण है। 2 नवम्बर, 1940 को उत्तर प्रदेश के वृंदावन में जन्मी ममता कालिया हिंदी साहित्य की उन रचनाकारों में हैं जिनकी रचनात्मकता किसी एक विधा तक सीमित नहीं रही। कहानी, उपन्यास, नाटक, कविता, निबंध, संस्मरण और पत्रकारिता के साथ लगभग हर विधा में उन्होंने अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है। हिंदी कहानी के परिदृश्य पर उनका लेखन सातवें दशक से लगातार सक्रिय रहा है और लगभग आधी सदी के रचनात्मक काल में उन्होंने दो सौ से अधिक कहानियां लिखीं, जो समकालीन जीवन की विडंबनाओं, मध्यवर्गीय संघर्षों और स्त्री-अनुभवों की सजीव अभिव्यक्ति हैं। साहित्यिक संस्कार वाले उस परिवार में ममता जी जन्मी जहां, पिता विद्याभूषण अग्रवाल हिंदी और अंग्रेज़ी साहित्य के विद्वान तथा शिक्षक थे। शिक्षा और जीवन के विभिन्न चरणों में भारत के कई शहरों में रहना उनके व्यक्तित्व और लेखन को व्यापक सामाजिक अनुभवों से समृद्ध करता रहा। तभी उनकी रचनाओं में भारतीय शहरी जीवन का यथार्थ, बदलते पारिवारिक संबंध और स्त्री की आत्मसजगता गहरे रूप में दिखाई देती है। कहानी के क्षेत्र में ममता कालिया की विशिष्ट पहचान है। उनकी संपूर्ण कहानियां अब तक ममता कालिया की कहानियां (2017) शीर्षक से दो खंडों में प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके चर्चित कहानी संग्रहों में छुटकारा, एक अदद औरत, सीट नं. छह, उसका यौवन, जांच अभी जारी है, प्रतिदिन, मुखौटा, निर्मोही, थिएटर रोड के कौए और पच्चीस साल की लड़की विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। इन कहानियों में समकालीन जीवन की विसंगतियां, मध्यवर्गीय परिवारों के अंतर्विरोध और स्त्री की आत्मसंघर्षशील चेतना सशक्त रूप में उभरती है। उपन्यास विधा में भी उनका योगदान महत्वपूर्ण है। बेघर (1971), नरक दर नरक (1975), प्रेम कहानी (1980), लड़कियां (1987), एक पत्नी के नोट्स (1997), दौड़ (2000), अंधेरे का ताला (2009), दुक्खम-सुक्खम् (2009), कल्चर वल्चर (2016) और सपनों की होम डिलीवरी (2017) जैसे उपन्यास हिंदी कथा साहित्य की उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं। इनमें बदलते सामाजिक मूल्य, उपभोक्तावादी संस्कृति और स्त्री की बदलती भूमिकाएं अत्यंत संवेदनशील ढंग से चित्रित हुई हैं। कविता, नाटक और संस्मरण लेखन में भी ममता कालिया ने अपनी अलग पहचान बनाई। उनके कविता संग्रहों में खांटी घरेलू औरत और कितने प्रश्न करूं उल्लेखनीय हैं। नाटकों में यहां रहना मना है और आप न बदलेंगे चर्चित रहे हैं। संस्मरण विधा में उनकी पुस्तक कितने शहरों में कितनी बार (2010) और नवीनतम जीते जी इलाहाबाद पाठकों और आलोचकों दोनों के बीच विशेष रूप से सराही गई है। सीधे-सीधे संस्मरण जीते जी इलाहाबाद की बात करें तो पाते हैं कि एक लेख से शुरू हुए इस पुस्तक के पूर्ण होने की यात्रा में एक शहर की स्मृतियों का आख्यान होने के साथ-साथ साहित्यिक और सांस्कृतिक परिवेश की जीवंत झांकी भी है, जिसमें इलाहाबाद (अब प्रयागराज) की बौद्धिक परंपरा और रचनात्मक वातावरण को आत्मीयता से दर्ज किया गया है। यानी ममता कालिया ने संस्मरण विधा को निजी स्मृतियों के कथन से आगे ले जाकर उसे एक व्यापक सांस्कृतिक और साहित्यिक परिप्रेक्ष्य से जोड़ा है। यह कृति किसी एक व्यक्ति के जीवन का वृत्तांत न होकर उस साहित्यिक शहर की जीवित स्मृति है, जिसने आधुनिक हिंदी साहित्य को दिशा दी। ममता कालिया ने शहर के उस वातावरण को पुनर्सृजित किया है जहां साहित्य, संवाद और बौद्धिक बहसें जीवन का स्वाभाविक हिस्सा थीं। वे बताती हैं कि यहां पैदल चलना किसी विवशता का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मीय सामाजिक जीवन का संकेत था।

पुलिस अधीक्षक ने ईद पर मुस्लिम धर्मावलंबियों को दी बधाई, शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील

टीकमगढ़। ईद-उल-फितर के अवसर पर जिले में शांति, सौहार्द एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु टीकमगढ़ पुलिस पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय रही । इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा दिनांक 21 मार्च को टीकमगढ़ शहर के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कोतवाली थाना परिसर में मुस्लिम समाज के गणमान्य नागरिकों एवं धर्मावलंबियों से सौहार्दपूर्ण मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने सभी को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे, सद्भाव एवं शांति के साथ त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि टीकमगढ़ की सामाजिक एकता और परंपरागत सौहार्द ही इस जिले की सबसे बड़ी पहचान है, जिसे बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा बच्चों को चॉकलेट वितरित कर उनके साथ आत्मीय संवाद स्थापित किया गया, जिससे उत्सव का माहौल और भी उल्लासपूर्ण हो गया। पुलिस एवं आमजन के बीच इस प्रकार के सकारात्मक संवाद से आपसी विश्वास को और मजबूती मिली। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा, एसडीओपी टीकमगढ़ राहुल कटरे, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रविभूषण पाठक सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

साथ ही शहर के मुस्लिम समाज के बड़ी संख्या में लोग भी इस अवसर पर मौजूद रहे। जिला पुलिस द्वारा समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि वे अफवाहों से दूर रहें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें तथा आपसी सहयोग एवं समझदारी के साथ त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न करें।

टीकमगढ़ में ईद-उल-फितर की नमाज अदा, अमन-चैन की दुआओं के साथ गूंजा ईदगाह

समय जगत, टीकमगढ़। शहर के सिविल लाइन स्थित ईदगाह में शनिवार सुबह 8 बजे ईद-उल-फितर की नमाज अकीदत और उत्साह के साथ अदा की गई। नमाज का नेतृत्व मुफ्ती शहंशाह ने किया, जिसमें हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने शिरकत की। वहीं जमा में ईद की नमाज 8. 15 पर और कुमैदान मस्जिद में 8. 30 पर ईद की नमाज अदा की । नमाज के दौरान देश में अमन, भाईचारे और खुशहाली की दुआएं मांगी गईं। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और पूरे क्षेत्र में खुशियों का माहौल नजर आया। ईदगाह प्रबंधक कमेटी ने भी सभी को ईद की शुभकामनाएं दीं। अंजुमन सदर अब्दुल रज्जाक ने समुदाय के लोगों को ईद की बधाई देते हुए आपसी एकता और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया।

इस मौके पर टीकमगढ़ सदर विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला ने ईदगाह पहुंचकर लोगों से मुलाकात की और गले मिलकर ईद की शुभकामनाएं दीं। वहीं पत्रकार मोहसिन अहमद ने भी सभी लोगों को ईद की मुबारकबाद दी त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए टीकमगढ़ पुलिस द्वारा चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई और एसडीओपी राहुल कटरे भी मौके पर मौजूद रहे और लोगों को ईद की बधाई दी। ईद के इस पावन अवसर पर पूरे शहर में भाईचारे, प्रेम और सौहार्द की मिसाल देखने को मिली।

पुण्यतिथि को संकल्प दिवस के रूप में मनाकर समाज के प्रति दायित्व निभाने का किया आव्हान

पंचायत मंत्री ने रानी अवंती बाई लोधी की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

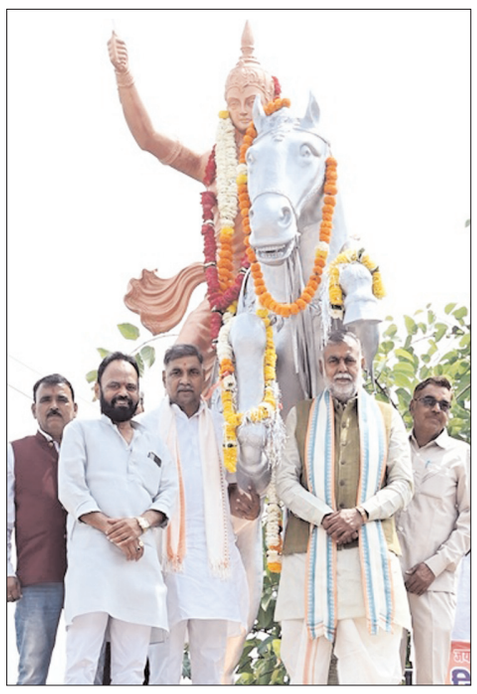

जबलपुर। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की नायिका, अदम्य साहस और शौर्य की प्रतीक रानी अवंति बाई लोधी की 168 वीं पुण्य तिथि पर धनवंतरि नगर चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनके अनुज एवं मध्यप्रदेश के पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल सहित सामाजिक बंधु एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

वीरता, त्याग एवं राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय उदाहरण : पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि रानी अवंती बाई लोधी का जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का अनुपम प्रतीक है। उन्होंने अंग्रेजो के शासन के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया, जो आज भी समाज को प्रेरित करता है।

संकल्प दिवस के रूप में मनाने का आव्हान: मंत्री श्री पटेल ने कहा कि रानी अवंती बाई लोधी जी की पुण्यतिथि को केवल श्रद्धांजलि तक सीमित न रखकर संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज ने हम पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उस पर खरा उतरना हमारा दायित्व है।

समाज के किसी भी व्यक्ति के कष्ट या चुनौती को प्राथमिकता से स्वीकार कर उसके समाधान हेतु प्रयास करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक बंधु एवं गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

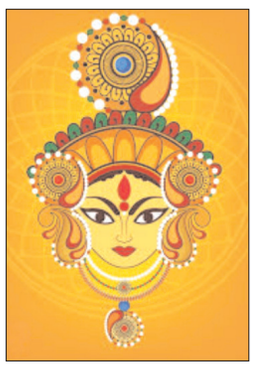

चैत्र नवरात्र पर मां दुर्गा की भक्ति में जवारे स्थापना का आज होगा भव्य आयोजन

समय जगत, जबलपुर/सिवनी। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर दुर्गा ज्योति कलश (जवारे) स्थापना का भव्य आयोजन किया जा रहा है। मां दुर्गा की कृपा एवं माता-पिता के आशीर्वाद से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालुओं को सादर आमंत्रित किया गया है। आयोजन के तहत 22 मार्च रविवार को प्रातः 10 बजे ज्योति कलश स्थापना की जाएगी। इसके पश्चात 29 मार्च रविवार को दोपहर 12 बजे हवन एवं कीर्तन का आयोजन होगा। वहीं 30 मार्च सोमवार को प्रातः 11 बजे महाभोज एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। इसके अलावा 30 मार्च को सुबह 10 बजे से कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो आयोजकों के निज निवास से प्रारंभ होकर निर्धारित स्थल तक पहुंचेगी। कार्यक्रम का आयोजन छोटा व्यायाम शाला, महावीर वार्ड, सिवनी में किया जाएगा। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त करें और आयोजन को सफल बनाएं। निवेदकों में प्रवीण कुमार नामदेव, विवेक वंदना नामदेव, रीतेश पुष्पा नामदेव, अक्षत एवं अभिषेक नामदेव, ऋषिका नामदेव एवं समस्त नामदेव परिवार शामिल है।

आपसी सौहार्द के साथ मना ईद-उल-फ़ितर गैरतगंज में दिखी भाईचारे की मिसाल

समय जगत, गैरतगंज। तहसील मुख्यालय सहित नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ईद-उल-फ़ितर का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास, आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाया गया। पवित्र रमज़ान माह के समापन के बाद मनाए जाने वाले इस प्रमुख पर्व को लेकर मुस्लिम समाज में खासा उत्साह नजर आया। सुबह ईदगाहों और मस्जिदों में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज़ अदा कर देश में अमन, शांति और भाईचारे की दुआएं मांगीं। नमाज़ के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। ईद-उल-फ़ितर, रोज़ों की इबादत के बाद खुशी और शुक्राने का त्योहार है। इस अवसर पर लोगों ने नए वस्त्र धारण किए, इत्र लगाया और जरूरतमंदों को सदक़ा-ए-फ़ितर देकर इंसानियत का संदेश दिया। नगर के साथ-साथ कस्बा गढ़ी सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में भी ईद की रौनक देखने को मिली। विभिन्न वर्गों के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मुस्लिम समाज के लोगों से मिलकर उन्हें शुभकामनाएं दीं और सामाजिक एकता का संदेश दिया। गैरतगंज ईदगाह में मौलाना जमाल उद्दीन, जामा मस्जिद में मुफ्ती मशकूर नदवी, मंडी मस्जिद में हाफिज सद्दाम कुरैशी, गढ़ी ईदगाह में मौलाना अतीकुर्रहमान मज़ाहिरी तथा जामा मस्जिद में मौलवी मुश्ताक़ ने नमाज़ अदा कराई और खुतबा दिया। नमाज़ के बाद लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर मुंह मीठा कराया और खुशियां साझा कीं। पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पूरे क्षेत्र में भाईचारे, प्रेम और सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली।

सिंधी समाज ने धूमधाम से मनाई भगवान झूलेलाल जयंती, निकली भव्य रैलियां

समय जगत, टीकमगढ़। सिंधी समाज द्वारा भगवान झूलेलाल जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सुबह 7 बजे सिंधी धर्मशाला से भव्य बाइक रैली निकाली गई। बाइक रैली सिंधी धर्मशाला से निकलकर लुकमान चौराहा, कटरा बाजार, ताल दरवाजा, गांधी चौराहा, पुराना बस स्टैंड, अंबेडकर चौराहा एवं अस्पताल चौराहा होते हुए पुनः सिंधी धर्मशाला पहुंची, जहां भगवान झूलेलाल एवं रामराज सरकार की भव्य आरती की गई। इसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम के तहत सुबह 11 बजे से झूलेलाल मंदिर में पूजा-अर्चना एवं भजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं दोपहर 2 बजे से लंगर एवं प्रसाद वितरण किया गया। शाम 5 बजे से विशाल भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो शहर के प्रमुख मार्गों—लुकमान चौराहा, कटरा बाजार एवं हवेली रोड होते हुए बड़ा तालाब पहुंची, जहां ज्योति विसर्जन किया गया। सिंधी समाज द्वारा सेवा कार्यों के अंतर्गत वृद्धाश्रम, जिला अस्पताल, विकलांग भवन, अनाथालय एवं गौशाला में भोजन वितरण किया गया। साथ ही समाज के 15 से 20 लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। शोभायात्रा में सुंदर झांकियां सजाई गईं तथा भगवान झूलेलाल साईं की घोड़े पर सवार भव्य प्रतिमा ढोल-नगाड़ों के साथ निकाली गई, जो आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान समाज के अध्यक्ष दीपक रामचंद्रानी, माधु कानानी, जीतू भागवानी, तुलसी आहुजा, लक्ष्मण खत्री, बिरजू भागवानी, रामजी नवलानी, तरुण मूलचंदानी सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

खेल मंत्री विश्वास कैलाश ने किया विधायक ट्रॉफी अंडर-12 का उद्घाटन

समय जगत, भोपाल। विश्वास साड़ी क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित विधायक ट्रॉफी अंदर 12 में मैच विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी और यंग स्टार बी चेम्प के बीच खेला गया। जिसके अंदर यंग स्टार बी चेम्प टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 30 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 246 का विशाल स्कोर बनाया जिसमे कप्तान मेदांत उइके शानदार शतक लगाते हुए 90 गेंद पर 21 चौके और दो छक्के की सहायता से 116 रन बनाए जबकि कबीर अग्रवाल ने 56 रन और ओम रघुवंशी ने 30 रन का योगदान दिया। यंग स्टार की तरफ से आरव ने 48 रन देकर एक विकेट लिया जवाबी पारी खेलने उतरी यंग स्टार बी चेम्प की टीम 27 ओवर मे 108 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और यह मैच 138 रन से हार गई। विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी की तरफ से गेंदबाजी करते हुए गामिनी उईके ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए जबकि जयेश यादव ने 14 रन देकर 2 विकेट लिए। प्लेयर ऑफ़ द मैच मेदांत उइके को दिया गया। इसके पहले टूर्नामेंट का उद्घाटन खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया इस अवसर पर वार्ड 70 के पार्षद अशोक वाणी, वार्ड 69 के पार्षद सूर्यकांत गुप्ता, वार्ड 58 के पार्षद राकेश यादव, उपेंद्र तोमर समेत अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया ईद का पर्व

अस्पताल चौराहे पर कांग्रेस ने किया स्वागत सम्मान

आगर मालवा। जिला मुख्यालय पर ईद का पर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। नगर की ईदगाह पर जामा मस्जिद के पेश इमाम मुबारक खान ने ईद की विशेष नमाज अदा कराई । साथ ही नगर की कई मस्जिदों में भी ईद की नमाज पढ़ी गई। नमाज के बाद नगर सहित पूरे देश मे अमन चौन भाईचारा व हिंदुस्तान की तरक्की की दुआ की गई। दुआ के बाद सभी ने गले मिलकर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी स्थानीय प्रशासन व पुलिस प्रशासन के अधिकारी नमाज के समय ईदगाह पर मौजूद रहे और ईद की बधाई दी। साफसफाई को लेकर नपा की अहम भूमिका रही। नमाज के बाद घर जा रहे मुस्लिम समाजजनों का जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजयलक्ष्मी तंवर की ओर से अस्पताल चौराहे पर दोनों शहर काजी वसीउद्दीन, हाफिज जियाउल हक कुरेशी , अंजुमन सदर शमीउल्लाह कुरेशी, त्योहार कमेटी जिला अध्यक्ष नजीर अहमद सहित वरिष्ठजनों का स्वागत सम्मान किया। जहां कांग्रेस नेता कार्यकर्ता मौजूद रहे। ईद-उल-फित्तर (मीठी ईद) रमजान के पवित्र महीने में 30 दिनों के रोजे (उपवास) के बाद शव्वाल महीने के पहले दिन मनाया जाने वाला खुशी का त्योहार है। यह अल्लाह का शुक्रअदा करने, आत्म-संयम, भाईचारे और दान (फित्तरा) देने का दिन है, जो बुराइयों को छोड़ने और नेकी के रास्ते पर चलने का संदेश देता है। यह महीना भर इबादत करने और रोजे रखने के बाद अल्लाह की ओर से मिले इनाम के रूप में ईद का पर्व मनाया जाता है। हजरत पैगंबर मोहम्मद साहब के समय से ही इस त्योहार की शुरुआत हुई थी, जो बद्र के युद्ध में मिली पहली ऐतिहासिक जीत का भी प्रतीक है। इस दिन की शुरुआत मीठी सेवइयां खाकर और विशेष नमाज अदा कर होती है, इसलिए इसे मीठी ईद भी कहते हैं। ईद के दिन मुसलमान अल्लाह का शुक्रिया अदा करते हैं कि अल्लाह ने इस माह में रोजे रखने और इबादत करने की ताकत दी। जकात और फित्तरा (दान) ईद की नमाज से पहले गरीबों को देना अनिवार्य है, ताकि वे भी ईद मना सकें। यह त्योहार प्रेम, सद्भाव और परिवार-दोस्तों के साथ मिलकर खुशियां बांटने का संदेश देता है। ईद उल फित्तर इस्लाम धर्म का बहुत ही पवित्र और खुशियों वाला त्योहार है, जो रमजान के पूरे महीने रोजे रखने के बाद मनाया जाता है।

कृषक कल्याण वर्ष 2026: ग्रीष्मकालीन फसलों का रकबा बढ़ाने हेतु लक्ष्य निर्धारित

समय जगत, आगर मालवा। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन फसलों के रकबे में वृद्धि के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा विशेष लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव के मार्गदर्शन में जिला आगर-मालवा के कृषकों को तीसरी ग्रीष्मकालीन फसल (तिल एवं उड़द) लेने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, विजय चौरसिया ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में सिंचाई साधनों की उपलब्धता के आधार पर 1881 कृषकों का चयन किया गया है। चयनित कृषकों को 1055 हेक्टेयर क्षेत्र हेतु 52.62 क्विंटल ग्रीष्मकालीन तिल बीज अनुदान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी प्रकार ग्रीष्मकालीन उड़द फसल के लिए 50 कृषकों का चयन 50 हेक्टेयर रकबे हेतु किया गया है, जिन्हें 10 क्विंटल बीज अनुदान पर वितरित किया जा रहा है। इस पहल के परिणामस्वरूप जिले में अतिरिक्त तिल उत्पादन 7385 क्विंटल होने की संभावना है, जिससे लगभग 886.20 लाख रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त होने का अनुमान है। वहीं ग्रीष्मकालीन उड़द फसल से 26.80 लाख रुपये की अतिरिक्त आय संभावित है। इस प्रकार कुल मिलाकर 913.00 लाख रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त होने का अनुमान है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा उड़द पर समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 600 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस भी कृषकों को प्रदान किया जाएगा।

::आम-सूचना::

मकान क्रमांक 38 सी ग्राम बावड़िया कलां, तहसील हुजर, जिला-भोपाल के संबंध में।

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने (1) श्रीमती राजबाला अग्रवाल (वयस्क), पत्नी श्री अशोक अग्रवाल, (2) श्री रजत अग्रवाल (वयस्क) आत्मज श्री अशोक अग्रवाल निवासीगण –मैन रोड नियर गांधी चौक सिवनी मालवा जिला होशंगावाद (म०प्र) के स्वामित्व का भूखण्ड क्रमांक 38–सी पर निर्मित मकान जो कि निखिल बंगलो फेज –3 पर स्थित जिसका खसरा नं. 426/2/1/1/2 पर रकबा 0.25 एकड़ अर्थात 0.101 हेक्टेयर, खसरा नं. 426/1/3 पर रकबा 0.28 एकड़ अर्थात 0.113 हेक्टेयर, खसरा नं. 426/2/1/1/1 ख पर रकबा 0.37 एकड़ अर्थात 0.150 हेक्टेयर, खसरा नं. 426/2/1/2 पर रकबा 0.37 एकड़ अर्थात 0.150 हेक्टेयर, खसरा नं. 426/2/1/1/1 ख/1 पर रकबा 0.35 एकड़ अर्थात 0.142 हेक्टेयर एवं खसरा नं. 426/2/1/1/3 पर रकबा 0.24 एकड़ अर्थात 0.097 हेक्टेयर, इस प्रकार कुल भूमि रकबा 0.753 अर्थात 1.86 एकड़ भूमि है, पर एक आवासीय कालोनी , भूमि ग्राम बावडियाकला पटवारी हल्का नं. 42, राजस्व निरीक्षक मण्डल बैरागढ़, विकास खण्ड फन्दा वर्तमान नगर निगम सीमा के अंतर्गत वार्ड नं. 53, शहर भोपाल में स्थित है। तहसील हुजूर, जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है। चतुर्थ सीमाएँ है, दिशा पूर्व में–अन्य की सम्पत्ति, दिशा पश्चिम में–रोड, दिशा उत्तर में–भूखण्ड क्र. 39, दिशा दक्षिण में भूखण्ड क्रमांक–37 है। उपरोक्त आवासीय मकान का भूखण्ड की नाप 23 फीट चौड़ाई 40 फीट बराबर 920 वर्गफीट अर्थात 85.50 वर्गमीटर है, को क्रय करने का अनुबंध मेरे पक्षकार ने कर लिया है। उपरोक्त मकान पर या उसके किसी भाग पर शासकीय, अशासकीय, अर्द्धशासकीय कार्यालय के संबंध में किसी व्यक्ति, गृह निर्माण संस्था, बैंक, वित्तीय संस्था, का कोई भी बकाया, ऋण, भार आदि कोई हो या किसी भी प्रकार का कोई लिखित भागीदारी, अनुबंध, विक्रय पत्र, मुख्तार नामा पत्र, वसीयत पत्र, हस्तांतरण पत्र, अन्तरण पत्र, दान, बंधक आदि किया हो तो अपनी आपत्ति मय प्रपत्रों सहित मेरे कार्यालय में सूचना प्रकाशन से 03 दिवस की समयावधि मे आपत्ति प्रस्तुत करें समय अवधि निकल जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नही होगी मेरा पक्षकार विक्रय पत्र का पंजीयन अपने पक्ष में कराने हेतु स्वतंत्र होगा ।

M.J.F. लॉयन महेश कुमार साहू (नोटरी एडवोकेट)

साहू लॉ चेम्बर रियल स्टेट कंसलटेंट

कार्यालय : 231, लाहोटी चेम्बर, भूतल जोन-1, एम. पी. नगर, भोपाल

मो. 9827300880, 9893086191

24 को आंगनवाड़ी केन्द्रों में होगा विद्यारंभ कार्यक्रम

समय जगत, आगर मालवा। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले के समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों में 24 मार्च 2026 को विद्यारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा से जोड़ते हुए उनके शैक्षणिक जीवन की औपचारिक शुरुआत करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्रों पर नामांकित बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रोत्साहनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी संबंधितों से अपील की गई है कि वे कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाएं एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहयोग प्रदान करें।

राजस्व अमले को त्वरित सर्वे कर किसानों को शीघ्र मुआवजा दिलाने के दिए निर्देश

ओलावृष्टि से फसलें तबाह , विधायक ने किया प्रभावित गांवों का दौरा

समय जगत, नटेरन। विगत दिवस शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर बड़ा असर डाला है. विदिशा तहसील के ग्राम अंडिया, सुरई मूड़रा सहित आसपास के गांवों में फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस स्थिति का जायजा लेने के लिए विधायक सूर्य प्रकाश मीणा स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे और किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। दौरे के दौरान विधायक ने खेतों में जाकर फसलों की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने देखा कि कई स्थानों पर गेहूं, चना और अन्य खड़ी फसलें ओलावृष्टि के कारण पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। किसानों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि इस नुकसान से उनकी आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ेगा। विधायक मीणा ने मौके पर मौजूद राजस्व अमले को सख्त निर्देश दिए कि सर्वे कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों को शासन की योजनाओं के तहत शीघ्र और उचित मुआवजा मिलना चाहिए। इसके लिए पारदर्शी तरीके से नुकसान का आंकलन कर रिपोर्ट जल्द तैयार करने के निर्देश दिए गए. इसके अलावा नटेरन एवं शमशाबाद तहसील के अन्य गांवों में भी फसलों को नुकसान होने की जानकारी सामने आई है।

इस पर विधायक ने पहले ही राजस्व अमले को निर्देशित किया था कि वे सुबह से ही प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का जायजा लें और सर्वे कार्य के लिए टीमों का गठन करें। अधिकारियों को कहा गया है कि वे शीघ्रता से आंकलन रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजें, ताकि किसानों को मुआवजा राशि जल्द मिल सके। प्रशासन की सक्रियता से किसानों में कुछ हद तक राहत की उम्मीद जगी है।

ईद- उल-फितर : हजारों लोगों ने ईद की नमाज पढ़ देश में अमन चैन की मांगी दुआ

समय जगत, हमीरपुर। मौदहा नगर सहित क्षेत्र में ईद-उल-फितर का पर्व धूमधाम से सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। सुबह ईद की नमाज़ में हजारों लोगों ने एक साथ हाठ उठाकर मुल्क में अमन-चैन व भाईचारे की दुआएं मांगी। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन तैनात रहा। साथ ही नगरपालिका प्रशासन द्वारा नगर में मस्जिदों के आसपास की गई साफ-सफाई की व्यवस्था सराहनीय रही। ईद की नमाज़ के दौरान ईदगाह पहुंच डीएम-एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। शनिवार को कस्बा सहित क्षेत्र में ईद-उल-फितर का पर्व धूमधाम से शांति पूर्वक माहौल में मनाया गया। सुबह ईद की नमाज़ को लेकर ईदगाह समेत नगर की 23 मस्जिदों में ईद-उल-फितर की नमाज अदा की गई, जिसको लेकर हजारों लोग ईदगाह में एकत्रित हुए और एक साथ नमाज़ अदा कर देश में अमन-चैन व भाईचारे की दुआएं मांगी। इसके बाद एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। वहीं नगरपालिका के द्वारा साफ-सफाई व पानी के टैंकरों की व्यवस्था की गई जबकि सुरक्षा को लेकर जगह-जगह पुलिस प्रशासन तैनात रहा। नमाज़ के दौरान ईदगाह पहुंचे जिलाधिकारी घनश्याम मीणा व पुलिस अधीक्षक डॉ दीक्षा शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और अधीनस्थों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जबकि नगर में 12 घंटे विद्युत आपूर्ति के बंद होने से नगरवासियों में भारी आक्रोश बना रहा। विद्युत विभाग की इस लापरवाही से ईद के त्योहार की रौनक फीकी पड़ गई। ईदगाह में सपा नेता पंडाल लगाकर लोगों को मिठाई खिला गले मिलकर मुबारकबाद देते दिखाई दिए।

जिसमें पूर्व मंत्री बादशाह सिंह, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामप्रकाश प्रजापति, जिलाध्यक्ष इदरीस खान, सांसद प्रतिनिधि शादाब बिट्टू सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ता ईदगाह में उपस्थित रहे। नगर सहित क्षेत्र के आधा सैकड़ा मस्जिदों में ईद-उल-फितर की नमाज़ अदा की गई।

डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा पर केंद्रित रहा एनएसएस शिविर, दिए महत्वपूर्ण सुझाव

समय जगत हमीरपुर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुछेछा हमीरपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना एन एस एस के संयुक्त सात दिवसीय विशेष शिविर का चौथा दिन डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा विषय पर केंद्रित रहा। यह शिविर राजकीय हाई स्कूल, कुछेछा में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. घनश्याम दास के मार्गदर्शन तथा दोनों यूनिट के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीष कुमार एवं द्वितीय यूनिट की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शिल्पी राय के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कोतवाली थाना से आए इंस्पेक्टर देवेंद्र मिश्रा एवं उनकी टीम ने स्वयंसेवकों को साइबर अपराधों

के बढ़ते खतरे, उनसे बचाव के उपाय तथा डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन धोखाधड़ी, फेक कॉल्स, सोशल मीडिया के दुरुपयोग एवं साइबर फ्रॉड से बचने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए और विद्यार्थियों को जागरूक रहने का संदेश दिया। विशिष्ट वक्ता के रूप में महिला डिग्री कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आलोक कुमार ने डिजिटल साक्षरता पर प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने डिजिटल युग में सही जानकारी की पहचान, फेक न्यूज से बचाव तथा जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।

सार-समाचार

ट्रांसफार्मर जलने से पूरे गांव में फैला है अंधेरा

बांदा/नरैनी। पंद्रह हजार आबादी वाले पनगरा गांव में आकाशीय बिजली गिरने से ट्रांसफार्मर फुंक गया 24 घंटे से पूरे गांव में अंधेरा छाया हुआ हुआ है। विद्युत कर्मी कई घंटे से सुधार कार्य में जुटे रहे था खबर लिखे जाने तक सुधार कार्य जारी था । गांव के राकेश कुमार, लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी, राजकुमार त्रिपाठी, राजेंद्र यादव, पप्पू त्रिवेदी, लक्ष्मी नारायण द्विवेदी सहित दर्जनों ने बताया है कि शुक्रवार की रात 8 बजे अचानक बारिश होने के दौरान आकाशीय बिजली गिर गई थी जिसमें ट्रांसफार्मर में आग लग गई और वह फुंक गया, जिससे ट्रांसफार्मर का चबूतरा क्षतिग्रस्त हो गया । नवरात्रि के महीने में प्रात : काल गांव के महिलाएं को पूजा अर्चना के लिए जाना पड़ता है जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

नारी शक्ति सम्मेलन का किया गया आयोजन

समय जगत,बांदा /नरैनी। नौहाई गांव में जन अधिकार पार्टी के तत्वावधान में वीरांगना रानी अवंती बाई बलिदान दिवस एवं नारी शक्ति सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मौजूद रही। नौहाई गांव में जन अधिकार पार्टी के जिला अध्यक्ष हनुमान दास राजपूत एवं जन अधिकार पार्टी यूनिट बांदा के द्वारा किया गया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या कुशवाहा ने वीरांगना अवंतीबाई को महान नारी बता उनको शक्ति बलिदान त्याग का सम्मान का प्रतीक कहा । साथ ही मौजूदा लोगों को वोट के महत्व और नीतियों के बारे बताया। जन अधिकार पार्टी के साथ जुड़ने का आह्वान भी किया। जन अधिकार पार्टी के संस्थापक बाबू सिंह कुशवाहा के छोटे भाई शिव शरण कुशवाहा पूर्व लोकसभा प्रत्याशी झांसी ललितपुर ने अन्याय अत्याचार से संघर्ष करने के लिए तौर तरीके बताते हुए आम जनमानस का ध्यान आकर्षण किया। जिला अध्यक्ष हनुमान दास राजपूत ने जन अधिकार पार्टी की नीतियों के बारे में और वीरांगना अवंतीबाई के योगदान के बारे में लोगों को बताया। इस दौरान कालीचरण कुशवाहा, शंकर लाल वर्मा ,लक्ष्मी कुशवाहा , विजय बहादुर कुशवाहा , गिरधारी कुशवाहा, प्रेम सिंह, सहित क्षेत्रीय ग्रामीण मौजूद रहे।

नवोदय में चयन होने से छात्र-छात्राओं में दिखी खुशी

समय जगत, बांदा। शिक्षा क्षेत्र में बेहतरीन भूमिका निभा रहा जिले के जे.के.विद्या मंदिर के छात्र छात्राओं का नवोदय में चयन हुआ है। जिससे छात्राओं तथा अभिभावकों में खुशी की लहर व्याप्त है। बताते चलें कि शहर भूरागढ़ में जी,के, विद्या मंदिर संचालित है। जिसमें छात्र छात्राओं को बेहतर शिक्षा दी जाती है। जिसके चलते विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं में अंशिका पुत्री कल्लू, अंबिका गुप्ता, संध्या पुत्री शिवराम,विराट पुत्र देवी दयाल ,सचिन पाल पुत्र राममिलन ,कमल नयन पुत्र राजकुमार, वैष्णवी सिंह पुत्री विष्णु दयाल का चयन नवोदय विद्यालय के लिए किया गया है, । जिसके चलते अभिभावक को तथा विद्यालय स्टाफ में भारी खुशी की लहर देखी गई। इस पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकरण पाल से बात की गई तो उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं के पढ़ाई को लेकर विद्यालय में किसी तरह की कोताही नहीं की जाती ।शिक्षक छात्रों के प्रति पूरी तरह से निष्ठावान व जिम्मेदार है।

हर्षोल्लास से मनाया गया ईद उल फितर का त्योहार

समय जगत,मनावर । धार जिले के बाकानेर में ईदगाह पर जामा मस्जिद पेश इमाम हाफिज साहब ने, मस्जिद उमर बिन खत्ताब मरकज में पेश इमाम तस्लीम खान मस्जिद ए हमजा में कारी जावेद साहब ने ईद की नमाज अदा करवाई और देश दुनिया में अमन चैन भाईचारा कायम रहे की दुआ मांगी। शहर काजी सैयद इकबाल अली, कैप्टन लियाकत खत्री, सैयद अखलाक अली,हाजी अहमद खत्री मौलाना हाजी सादिक हुसैन कुरैशी विधायक डॉ हीरालाल अलावा विधायक प्रतिनिधि टीकम डावर मोहम्मद कासिम खत्री,हाजी अजहरुद्दीन खत्री ने सभी को ईद की मुबारकबाद दी दिन भर ईद की सेवइयां सीर खुरमा खाने का दौर बधाई का और बच्चों को ईदी देने का दौर चला। सफर एं उमरा पर जाने वाले हाजी सादिक हुसैन कुरैशी , मोहम्मद हुसैन कुरैशी का सभी ने स्वागत सम्मान इस्तकबाल किया। चौकी प्रभारी मनीष पाल ओर स्टाफ ने सभी को ईद की बधाई दी।

घरेलू विवाद में बुजुर्ग की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

समय जगत, मण्डला। थाना टिकरिया अंतर्गत ग्राम हर्राटीकुर में गत रात लगभग 9.30 बजे एक घरेलू विवाद के दौरान दुखद घटना घटित हुई। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने अपने रिश्ते के दादा मुन्नालाल कुलस्ते के साथ मारपीट की, जिससे उनकी गुप्तांग में गंभीर चोट लगी और उनकी मृत्यु हो गई। थाना टिकरिया पुलिस ने 20 मार्च को अपराध बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया। पुलिस अधीक्षक मंडला, रजत सकलेचा के निर्देश पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी सुमित, पिता गुल्ले सिंह कुलस्ते, उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम हर्राटीकुर को 21 मार्च को गिरफ्तार किया। आरोपी को विधिसम्मत कार्यवाही के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

पिता की मौत के डेढ़ माह बाद इकलौते चिराग की भी बुझी लौ, नहर में डूबने से युवक की मौत

मुस्करा (हमीरपुर)। नियति का क्रूर मजाक कहें या परिवार की बदकिस्मती, ग्राम बिहूनी खुर्द में शनिवार की सुबह एक ऐसी हृदय विदारक घटना घटी जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। करीब डेढ़ माह पहले पिता को खोने वाले एक परिवार का इकलौता सहारा 24 वर्षीय मनीष भी काल के गाल में समा गया। भैंस चराने गया युवक मिर्गी का दौरा आने के कारण नहर में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई ग्राम बिहूनी खुर्द निवासी मनीष (24 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय बृजकिशोर शनिवार सुबह मौदहा नहर पटरी पर भैंस चराने गया था। परिजनों के मुताबिक मनीष को मिर्गी के दौरे आते थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब वह नहर के किनारे था, तभी उसे अचानक दौरा पड़ा और वह संतुलन खोकर गहरे पानी में जा गिरा। पास में खेल रहे बच्चों ने जब मनीष को डूबते देखा तो शोर मचाते हुए खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों को सूचना दी सूचना पर पहुंचे चाचा फूलसिंह और ग्रामीणों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को फोन किया मौके पर पहुंचे ईएमटी विनय कुमार और चालक राजेश पहुंचे चाचा ने ग्रामीणों की मदद से मनीष को नहर से बाहर निकाला उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्करा ले जाया गया, जहाँ डॉ. शिवजी गुप्ता ने परीक्षण के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया महज डेढ़ महीने पहले ही मनीष के पिता बृजकिशोर का सरिया काटते समय हार्ट अटैक से निधन हुआ था। मनीष अपने पिता की इकलौती संतान था और मुस्कुरा कस्बे में बाल काटने की दुकान चलाकर पूरे परिवार का पेट पालता था। मृतक अपने पीछे बुजुर्ग मां, 15 वर्षीय बहन पूजा, पत्नी और दो मासूम बेटों आयुष (5 वर्ष) व नैतिक (8 वर्ष) को छोड़ गया है परिवार के पास मात्र डेढ़ बीघा जमीन है, जिसकी वसीयत भी अभी तक मनीष के नाम नहीं चढ़ पाई थी। अब घर में कोई कमाने वाला सदस्य नहीं बचा है। घटना की सूचना मिलते ही एसआई राम शिरोमणि यादव ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, नायब तहसीलदार सत्यप्रकाश और लेखपाल दिनेश कुमार कुशवाहा ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और शासन को रिपोर्ट भेजने का आश्वासन दिया। दूसरी ओर ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि इस अत्यंत गरीब और बेसहारा हो चुके परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, ताकि मासूम बच्चों का भविष्य संवार सके।

महिलाओं ने पति की दीर्घायु और युवतियों ने योग्य वर की कामना के साथ ईसर गौर को दी विदाई

मारवाड़ी समाज के 16 दिवसीय गणगौर पर्व का हुआ समापन

समय जगत, सिवनी मालवा। शहर में गणगौर पर्व पूर्ण श्रद्धाभक्ति के साथ मनाया गया। मारवाड़ी समाज ने जहां 16 दिनों तक ईसर गौर (गणगौर) की पूजा अर्चना की। वहीं शहर के विभिन्न घरों में भी गणगौर पूजन की गई। जिन्हें शाम को धूमधाम से विसर्जन के लिए निकाला गया। सुहागिन महिलाओं द्वारा पति की दीर्घायु, सुखद जीवन की कामना और अविवाहित युवतियों ने योग्य वर की कामना के साथ किए गए 16 दिवसीय गणगौर पर्व का चैत्र शुक्ल पक्ष तीज शनिवार को समापन हुआ। चैत्र शुक्ल पक्ष तीज को सुबह महिलाओं और युवतियों ने सजधज कर पूर्ण श्रद्धा भक्ति के साथ गोर गोर गोमती ईश्वर पूजा पार्वती के गीत गाते हुए श्री सीताराम मंदिर में ईसर गौर की पूजा अर्चना की। साथ ही कुमकुम, हल्दी, मेहंदी के टीके देकर गणगौर पर्व का समापन किया। शाम 5 बजे श्री सीताराम मंदिर कल्लू चौक से बैंड बजे के साथ पूर्ण श्रद्धा भक्ति और उत्साह से ईसर गौर की प्रतिमाओं को दूल्हा दुल्हन के रूप में सजाकर मारवाड़ी महिलाओं ने नगर के मुख्य मार्ग से नृत्य करते हुए शोभायात्रा निकाली। जो स्थानीय राम जानकी राधाकृष्ण मंदिर पर जाकर समाप्त हुई। जहां पाती झाले देने के साथ ईसर गौर को अपने-अपने पतियों के नाम लेकर पानी पिलाते हुए ज्वारे की बाड़ियों को विसर्जित किया गया। मुख्य मार्ग से निकाली गई शोभायात्रा का नगर में विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में ब्राह्मण समाज, माहेश्वरी समाज, अग्रवाल समाज, जैन समाज सहित सकल मारवाड़ी समाज की महिला, युवतियां और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए।

शक्ति घाट से जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 का शुभारंभ

समय जगत, सिवनी मालवा। जल गंगा संवर्धन अभियान 3 का शुभारंभ स्थानीय कदेली नदी स्थित शक्ति घाट से किया गया। जहां नदी के घाट, तालाब और आसपास के क्षेत्र की सफाई कर जल संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजन-अर्चन कर की गई। जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन, सीएमओं अमर सिंह उइके, पार्षदगण और कर्मचारी शामिल हुए। ततपश्चात सभी ने मिलकर जल स्त्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल एक शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से चलने वाला एक जनआंदोलन हैं। हम सभी का कर्तव्य है कि अपने आसपास के जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखें। उनके संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं। यदि हम आज जल को बचाएंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दे पाएंगे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी तालाब, कुएं, नदी के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष कार्य किए जाएंगे।

भगवान की भक्ति करने से बढ़ती है सामर्थ्य : कथा व्यास

सुठालिया। बिना संसार को छोड़े जीवन चलने वाला नहीं, इसे छोड़े बिना जी नहीं सकते। संसार का त्याग करने से ताकत मिलती है। जैसे नींद में सब कुछ छूट जाता है, त्याग हो जाता है वैसे ही संसार को छोड़ कर भगवान का भजन करें । उक्त उद्गार स्थानीय पीला खाल खेल मैदान पर चल रही भागवत कथा के छटे दिन कथा व्यास प्रेमनारायण ने व्यक्त किए । उन्होंने कहा कि जो धन शरीर को अपना मानते थे इसे नींद में त्यागने से शक्ति मिल जाती है वैसे ही ध्यान में सब छूट जाता है । संसार घर परिवार को खास मानते हो उसे छोड़े बिना नहीं रहते नींद में जो त्याग होता है, वह तामस त्याग होता है। साधना में भगवान की प्राप्ति होती है । प्रेमनारायण जी ने कहा कि दिव्य नेत्र खुलता है तब ईश्वर है और कुछ नहीं है। ऐसा कोई नही है, जिसके नेत्र नहीं हैं लेकिन यह भगवान की कृपा से खुलता है। संसार की प्रगति असली उन्नति नहीं है, ये सुख सुविधा तो सब को मिल जाती है लेकिन परमात्मा का प्रकाश भजन बढ़ाने से मिलेगा। भजन से शरीर परमात्मा की ओर बढ़ता है। जैसे फल डंठल से धीरे धीरे छूटता है, उसी तरह भजन के बाद परमात्मा की प्राप्ति होगी। जिस तरह से रोटी में पलटी नही लगती जब तक वह तैयार नहीं होती वैसे ही भगवत भजन की ओर पलटी लगाना जरूरी है। शरीर का नाता रिश्ता है, वो केवल सेवा करने का है। जितनी बन सके परिवार समाज की सेवा कर दो।

परिवार समाज से हमारा संबंध सेवा लेने का नहीं, देने का है। सगा संबंध भगवान से है। जैसे रोटी -बाटी जल जाए तो दूसरा आटा ले लेंगे लेकिन साधना में पलटी नहीं लगी तो दूसरा जीवन कहां से मिलेगा। जो दुनिया को प्रभावित करे वो कथा नहीं, दुनिया में इंसान के जीवन को बदले वह कथा है।

मान प्रतिष्ठा पद मिलना कोई उन्नति नहीं है: मान पद प्रतिष्ठा मिल जाए तो तो उसे उन्नति नहीं मानें।

उन्नति तो भगवान की प्राप्ति में है और वह भगवत भजन से ही संभव है। इस दौरान कथा व्यास ने पीला खाल खेल मैदान का नाम माधव खेल मैदान करने की बात कही । सुनील सरावत मित्र मंडल द्वारा आयोजित कथा में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नारायण सिंह पंवार जिला पंचायत अध्यक्ष चंदर सिंह सोंधिया पूर्व मंत्री बद्रीलाल यादव, पूर्व विधायक रामचंद्र दांगी, भाजपा नेता दिलवर याद जसवंत गुर्जर नारायण सिंह सालरियाखेड़ी सहित बड़ी तादाद में महिला पुरुष श्रद्धालु मौजूद थे। आज कथा का विश्राम होगा ।

एचपीवी टीकाकरण में किशोरी बालिकाओं का दिखा उत्साह, 1 दिन में 95 बालिकाओं ने लगवाया टीका

समय जगत, सिवनी मालवा। सिविल अस्पताल सिवनी मालवा में 14-15 वर्ष की बलिकाओं में एचपीवी टीकाकरण करवाने में जागरुकता और उत्साह देखा गया। जिसके तहत 95 किशोरी बालिकाओं को यह वैक्सीन लगाई गई। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. कांति बाथम के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी, कर्मचारी अभियान को सफल बनाने में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। बीएमओ ने किशोरी बालिकाओं तथा पालकों से अपील की है कि अपनी बालिकाओं के उत्तम स्वास्थ्य के लिए यह टीका लगवाना अति आवश्यक है।

एसडीएम ने दिए प्रमाण पत्र : सिवनी मालवा एसडीएम विजय राय ने टीकाकरण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। टीका लगवाने आई बालिकाओं तथा उनके पालकों से बात कर प्रमाण पत्र वितरित किए। एसडीएम ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज में 14-15 वर्ष की अन्य बालिकाओं को भी टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित करें। सिविल अस्पताल में यह टीका, उमंग स्वास्थ्य केंद्र कमरा नंबर 30 में लगाया जा रहा हैं। टीकाकरण अभियान में सिविल अस्पताल की बीसीएम प्रिया पांडे, बीपीएम इन्दर हिरवे, बीईई अश्विनी जोसेफ, एमएल टेकाम, उमंग स्वास्थ्य केंद्र परामर्शदाता ईश्वर विश्नोई, सेक्टर सुपरवाइजर राम सिंह मुहाने, आपरेटर कृष्ण कुमार मालवीय, प्रबल शर्मा, एएनएम वंदना लौवंशी, शीतल कुशवाह, नीलिमा सिंह, दीपिका मालवीय, ज्योति मालवीय की टीकाकरण अभियान को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र से किशोरी बालिकाओं को सिविल अस्पताल लाकर टीका लगवाने में आशा सुपरवाइजर प्रतिभा यादव, मधु राठौर, गिरजा कुशवाह का सराहनीय कार्य रहा।

राजस्थान भवन में आयोजनों के दौरान सड़क बनी पार्किंग, जाम और विवाद हो गई अब आम बात

नो पार्किंग का हो रहा है उल्लंघन: ओवरब्रिज के पास सड़क बनी प्राइवेट पार्किंग

समय जगत, मनेंद्रगढ़। शहर के रेलवे स्टेशन ओवरब्रिज के आसपास का इलाका इन दिनों अव्यवस्था और लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है। जहां स्पष्ट रूप से 'नो पार्किंग के बोर्ड लगे हैं, वहीं चार पहिया वाहनों की कतारें सड़क किनारे खड़ी नजर आती हैं। हालात ऐसे बन गए हैं कि यहां हर दिन दुर्घटना का खतरा मंडरा रहा है, लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी से स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। दरअसल, स्टेशन रोड स्थित राजस्थान भवन, जो मांगलिक कार्यक्रमों के लिए किराए पर दिया जाता है, इस पूरे अव्यवस्था का मुख्य केंद्र बन गया है। जब भी यहां कोई आयोजन होता है, कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोग अपने वाहन सीधे सड़क किनारे खड़े कर देते हैं। भवन में पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। नतीजा यह होता है कि सड़क संकरी पड़ जाती है और आवागमन बाधित हो जाता है। कई बार तो स्थिति इतनी बिगड़ जाती है कि जाम लग जाता है और वाहन चालकों के बीच तू-तू, मैं-मैं तक की नौबत आ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है, बल्कि लंबे समय से चली आ रही है, लेकिन अब यह गंभीर खतरे का रूप ले चुकी है।

नोटिस और कार्रवाई बेअसर,प्रशासन की सख्ती पर उठे सवाल, लोगों में बढ़ा आक्रोश: जानकारी के अनुसार, पूर्व में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के निरीक्षक बी. आर. चौधरी द्वारा इस क्षेत्र में नो पार्किंग' में वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की गई थी। इतना ही नहीं, लगातार बिगड़ती स्थिति को देखते हुए राजस्थान भवन के अध्यक्ष श्याम सुंदर पोद्दार को नोटिस भी जारी किया गया था। बावजूद इसके, हालात जस के तस बने हुए हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि प्रशासनिक चेतावनी और कार्रवाई के बाद भी भवन प्रबंधन ने पार्किंग व्यवस्था सुधारने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर किसके संरक्षण में यह लापरवाही जारी है? क्या नियम केवल आम लोगों के लिए हैं और संस्थाओं पर लागू नहीं होते?

अब हालात ऐसे हैं कि यह कहना गलत नहीं होगा कि भवन के अध्यक्ष खुलेआम नियमों की अनदेखी कर रहे हैं और आरपीएफ निरीक्षक को मानो मुंह चिढ़ा रहे हैं। प्रशासनिक कार्रवाई और चेतावनियों के बावजूद जब स्थिति जस की तस बनी हुई है, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर कार्रवाई का असर क्यों नहीं दिख रहा? स्थानीय नागरिकों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो कोई बड़ी दुर्घटना होना तय है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाए और या तो भवन प्रबंधन को पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बाध्य किया जाए या फिर सख्त कार्रवाई करते हुए कार्यक्रमों पर रोक लगाने जैसे कदम उठाए जाएं।

अखंड सुहाग की कामना को लेकर महिलाओं ने किया गणगौर पूजन

श्योपुर में पारंपरिक उल्लास के साथ महिलाओं ने मनाया गणगौर पर्व

समय जगत, श्योपुर । राजस्थानी संस्कृति के रचे-बसे श्योपुर में गणगौर पर्व शनिवार को पारंपरिक अंदाज में मनाया गया। सुबह से ही महिलाओं ने सज-धज कर गणगौर पूजन किया। गणगौर पर्व को लेकर महिलाओं में उत्साह देखते बन रहा था। महिलाओं ने पति की लंबी आयु के लिए ईसर-गणगौर माता बनाकर पारंपरिक वेशभूषा में पूजन किया। इस तरह जिले भर पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। शहर सहित अंचल में चैत्र शुक्ल तृतीया पर गणगौर पर्व पर अखंड सुहाग और इच्छित वर की कामना को लेकर महिला और युवतियों ने गणगौर पूजन किया। गणगौर पूजन के लिए रविवार को ही महिलाओं ने सारी तैयार कर ली थी। महिलाओं ने बेसन, आटा व मैदा के मीठे गुणे बनाकर और मिट्टी से पार्वती की प्रतिमा बनाकर और रंगों से सजाकर एक दिन पहले ही तैयार कर लिया था। कई गली, मोहल्लों में मंदिरों पर गणगौर पूजन किया गया, यहां भी बारी-बारी से एक के बाद एक महिला गणगौर पूजन करती नजर आई। शाम को भी महिलाओं ने गणगौर को पानी पिलाने की रस्म निभाई। पानी पिलाने के दौरान महिलाओं ने देर रात तक खूब नाच-गाना नहीं किया।

घेवर गुणे का लगाया भोग – पूजन करने वाली महिलाओं के घरों में गुणे, शक्कर पारे बनाए। हलवाई घेवर बनाकर जिसका गणगौर को भोग लगाया। सुहागिन महिलाएं 8 गुणे और कुंवारी कन्याओं ने 16 गुणे माता को अर्पित किए। महिलाओं ने घेवर का भोग लगाया। गणगौर पूजन के दिन पूरा माहौल गोर-गोर गोमती ईसर पूजे पार्वती जैसे लोकगीतों से गूंज उठा।

अंचल में भी रही गणगौर पर्व की धूमः बड़ौदा, मानपुर, विजयपुर, वीरपुर, श्यामपुर, ढोढर, सोंईकलां, कराहल आदि कस्बों और गांवों में महिलाओं द्वारा महिलाओं का प्रिय और पसंदीदा गणगौर पर्व मनाया गया। महिलाओं ने एक जगह पर सामूहिक रूप से गणगौर पूजन किया। शाम को महिलाओं ने गणगौरों को पानी पिलाया और बिंदोरा निकाली। गणगौरों के पूजा स्थल गणगौर का पीहर और विसर्जन स्थल ससुराल माना जाता है।

चैत्र नवरात्र पर देवी मंदिरों में गूंजे माता रानी के जयकारे, नगर हुआ भक्तिमय

समय जगत, दमोह। हटा नगर में चैत्र नवरात्र का शुभारंभ होते ही वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है और चारों ओर जय माता दी के जयकारों की गूंज सुनाई दे रही है। प्रातःकालीन बेला में सुबह 4 बजे से ही सुनार नदी तट स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर एवं चण्डी माता मंदिर में जल चढ़ाने श्रद्धालुओं का तांता लग रहा है। विशेष रूप से महिला श्रद्धालुओं की संख्या अधिक देखने को मिल रही है।

जो नगर के विभिन्न हिस्सों से नंगे पांव पदयात्रा करते हुए पहले शीतला माता के दर्शन करती हैं और फिर चण्डी जी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना करती हैं। यह दृश्य श्रद्धा और आस्था का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। सायंकालीन बेला में भी मंदिरों की रौनक कम नहीं होती। महिलाएं दीपदान के लिए पहुंच रही हैं। वहीं चण्डी जी मंदिर एवं पीताम्बरा पीठ में संगीतमय संध्या आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। भक्तिमय भजनों और आरती की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठता है। चण्डी जी मंदिर में इस अवसर पर विशेष साज-सज्जा की गई है जो श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है। मंदिर न्यास समिति एवं स्थानीय सदस्यों द्वारा प्रतिदिन माता का आकर्षक श्रृंगार किया जा रहा है। निक्की ताम्रकर, ओमकार नामदेव सहित समिति के अन्य सदस्यों के सहयोग से मंदिर परिसर को भव्य रूप दिया गया है। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए मीठा प्रसाद भी वितरित किया जा रहा है। मंदिर परिसर के आसपास सजी दुकानों ने मेले जैसा माहौल बना दिया हैए जहां पूजन सामग्री, प्रसाद और अन्य वस्तुओं की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ देखी जा रही है। कुल मिलाकर चैत्र नवरात्र के आगमन के साथ ही नगर का वातावरण पूरी तरह देवीमय हो गया है। आगामी नौ दिनों तक इसी तरह भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का यह सिलसिला जारी रहेगाए जहां हर भक्त माता रानी की आराधना में लीन नजर आएगा। जय माता दी के जयकारों से गूंजता नगर आस्था की अनूठी मिसाल बन गया है।

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम ने ली सभी प्राचार्यों की बैठक

समय जगत, खुरई। गत दिवस एसडीएम मनोज चौरसिया द्वारा वैक्सीनेशन के संबंध में एस डी एम आफिस के सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई ।इस अवसर पर सभी को निर्देशित करते हुए एसडीएम ने कहा कि शत- प्रतिशत रूप से वैक्सीन लगा है ।जिसमें सभी अधिकारी कर्मचारी एवं संस्था के प्राचार्य शिक्षक शिक्षाएं अपने दायित्व को निभाएं शासन के निर्देश अनुसार हमें शत- प्रतिशत रूप से वैक्सीन का कार्य पूर्ण करना है ।बैठक में तहसीलदार राकेश अहिरवार , नायब तहसीलदार, सुरेश कुमार सोनी सीईओ, सीएमओ, राजेश महतेले,बी ई ओ आरएस शर्मा, बीआरसीसी राजेंद्र सेंगर, बीएम ओ राम जी ठाकुर, पी ओ icds खुरई बैठक में उपस्थित रहे ।साथ ही बी ई ओ खुरई अपने अधीनस्थ समस्त प्राचार्य को बैठक में उपस्थित रहने हेतु सूचित करें ।

आज महामाई पर लगेगा विशाल नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

समय जगत, सिरोंज। महामाई सेवा समिति द्वारा मेले को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के साथ-साथ नवाचार करते हुए सामाजिक सरोकारों को भी प्राथमिकता दी जा रही है । इसी क्रम में आज रविवार को एक विशाल नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है ।यह शिविर क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा, जहां अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी, शिविर में प्रमुख रूप से डॉ. विजय सक्सेना (मेडिसिन विशेषज्ञ), डॉ. पियुष गोयनका (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ. नमन अग्रवाल (न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ) एवं डॉ. रेखा भाटी (स्त्री रोग विशेषज्ञ) अपनी सेवाएं देंगे ।इस स्वास्थ्य शिविर में मरीजों को नि :शुल्क स्वास्थ्य परामर्श, संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण, दवा वितरण, ईसीजी जांच, रक्त की विभिन्न प्रकार की जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर एवं ब्लड ग्रुप की जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ।समिति द्वारा विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर और सहज स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें, जिसमें समिति के संरक्षक एवं विधायक उमाकांत शर्मा तथा महामाई सेवा समिति के द्वारा अधिक अधिक लोगों से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में आधार कार्ड , समग्र आईडी , आयुष्मान कार्ड साथ लेकर आने की अपील की गई है, जिससे की सभी का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा सके ।

हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा के शुभ अवसर पर गौ माता की आरती का किया गया आयोजन

मनावर, समय जगत। हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा के शुभ अवसर पर गौ माता की आरती का आयोजन किया गया । इस पावन अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के धार विभाग गौ रक्षा प्रमुख बद्री चोयल , प्रांत सह संयोजिका ऋतु शर्मा , विभाग संयोजिका दीपिका सोनी , मनावर – कुक्षी संगठन मंत्री शुभम जी केवट , जिला गौ रक्षा प्रमुख अमर सेन , जिला महिला गौ भक्त प्रमुख प्रिया जी सोनी , जिला गौशाला संपर्क प्रमुख अरूण विश्वकर्मा और नगर की माताओं ने उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त किया ।

भाजपा सरकार ने किया है बुंदेलखंड का शोषण एवं दोहन : अजय सिंह राहुल

समय जगत, पन्ना। मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह राहुल अपनी बुंदेलखंड यात्रा के दौरान विगत दिनों पन्ना पहुंचे। इंद्रपुरी स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने वीरांगना अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस के अवसर पर उनके चित्र परमाल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय अर्जुन सिंह (दाऊ साहब) के छायाचित्र पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कांग्रेस जनों को संबोधित करते हुए अजय सिंह राहुल ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और कांग्रेस की सेवा भावना को उजागर किया। उन्होंने कहा, भाजपा शोषण की राजनीति करती है, जबकि कांग्रेस सेवा की राजनीति में विश्वास रखती है। अपनी बुंदेलखंड यात्रा के उद्देश्य के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं पिछले तीन दिनों से बुंदेलखंड की यात्रा पर हूं। इस दौरान मुझसे मीडिया के एक साथी ने पूछा कि मैं यह यात्रा क्यों कर रहा हूं। मैंने उन्हें बताया कि मैं दाऊ साहब के उन पुराने कार्यकर्ताओं से मिलने निकला हूं जिन्होंने पार्टी के लिए वर्षों तक निःस्वार्थ भाव से कार्य किया है। बुंदेलखंड की राजनीतिक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, बुंदेलखंड के अंदर भाजपा के बड़े नेता कांग्रेस के नेताओं को दबाने का काम कर रहे हैं। हम सभी को एकजुट होकर इसका मुकाबला करने की आवश्यकता है। उन्होंने पार्टी के भीतर एकता पर जोर देते हुए कहा, टिकट किसी को भी मिले, हमारा मुख्य लक्ष्य अपनी पार्टी को जिताने का होना चाहिए। यदि पार्टी नहीं जीती तो उस टिकट का क्या होगा? भाजपा सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, यदि कोई कांग्रेस समर्थक बीमार पड़ जाए, तो हमारे कहने पर मुख्यमंत्री केवल 30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देते हैं। वहीं, यदि भाजपा के लोग मांगें तो उन्हें तीन-चार लाख रुपये दिए जाते हैं। आगामी विधानसभा चुनाव की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 2028 में भाजपा सरकार को 25 वर्ष हो जाएंगे। नई पीढ़ी को शायद यह भी पता नहीं होगा कि मध्य प्रदेश में कभी कांग्रेस की सरकार भी रही होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा, हमें किसी से भी डरने की आवश्यकता नहीं है। हमें अपने आप को मजबूत बनाकर भाजपा के कुशासन से लड़ना है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनीश खान ने अजय सिंह राहुल का स्वागत किया और उनकी तारीफ की। उन्होंने कहा, हमारे पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधायक अजय सिंह राहुल भैया ने हमेशा सदन के अंदर और सड़क पर दलित, शोषित और कमजोर तबके की आवाज को बुलंद किया है। आज पन्ना में उनके आने से कांग्रेस परिवार के प्रत्येक सदस्य में उत्साह का संचार हुआ है।

नवरात्रि पर अमानगंज के मंदिरों में उमड़ी आस्था, ज्वाला माता मंदिर में सुबह से दिखी श्रद्धालुओं की भीड़

समय जगत, पन्ना। अमानगंज चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर अमानगंज क्षेत्र के देवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। सुबह से ही भक्तजन माता के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंच रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। नगर के प्रसिद्ध ज्वाला माता मंदिर में विशेष रूप से माता बहनों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। तड़के से ही महिलाएं एवं अन्य श्रद्धालु नंगे पांव मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं और माता रानी से सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। नवरात्रि के दौरान भक्तजन व्रत रखकर विधि-विधान से पूजा कर रहे हैं। कई स्थानों पर कलश स्थापना, ज्योत प्रज्ज्वलन और दुर्गा सप्तशती पाठ का आयोजन किया जा रहा है। मंदिरों में जय माता दी के जयकारों से वातावरण गूंज रहा है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर समितियों द्वारा व्यवस्थाएं भी की गई हैं, ताकि दर्शन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। नवरात्रि के इन पावन दिनों में अमानगंज क्षेत्र पूरी तरह भक्ति और आस्था में सराबोर नजर आ रहा है।

एचपीवी टीकाकरण के प्रति किशोरियां नजर आईं उत्साहित

एक दिन में 95 बालिकाओं ने लगवाया टीका

समय जगत, सिवनी मालवा। सिविल अस्पताल सिवनी मालवा में गत दिवस 14-15 वर्ष की बलिकाओं में एचपीवी टीकाकरण करवाने में जागरुकता और उत्साह देखा गया। जिसके तहत 95 किशोरी बालिकाओं को यह वैक्सीन लगाई गई। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. कांति बाथम के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी, कर्मचारी अभियान को सफल बनाने में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। बीएमओ ने किशोरी बालिकाओं तथा पालकों से अपील की है कि अपनी बालिकाओं के उत्तम स्वास्थ्य के लिए यह टीका लगवाना अति आवश्यक हैं।

एसडीएम ने दिए प्रमाण पत्र

सिवनी मालवा एसडीएम विजय राय ने टीकाकरण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। टीका लगवाने आई बालिकाओं तथा उनके पालकों से बात कर प्रमाण पत्र वितरित किए। एसडीएम ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज में 14-15 वर्ष की अन्य बालिकाओं को भी टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित करें। सिविल अस्पताल में यह टीका, उमंग स्वास्थ्य केंद्र कमरा नंबर 30 में लगाया जा रहा है। टीकाकरण अभियान में सिविल अस्पताल की बीसीएम प्रिया पांडे, बीपीएम इन्दर हिरवे, बीईई अश्विनी जोसेफ, एमएल टेकाम, उमंग स्वास्थ्य केंद्र परामर्शदाता ईश्वर विश्नोई, सेक्टर सुपरवाइजर राम सिंह मुहाने, आपरेटर कृष्ण कुमार मालवीय, प्रबल शर्मा, एएनएम वंदना लौवंशी, शीतल कुशवाह, नीलिमा सिंह, दीपिका मालवीय, ज्योति मालवीय की टीकाकरण अभियान को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र से किशोरी बालिकाओं को सिविल अस्पताल लाकर टीका लगवाने में आशा सुपरवाइजर प्रतिभा यादव, मधु राठौर, गिरजा कुशवाह का सराहनीय कार्य रहा।

पुलिस को देखते ही छिप गया गांजा तस्कर

साढ़े तीन किलो से ज्यादा गांजा बरामद करने में एनकेजे पुलिस को मिली सफलता

समय जगत, कटनी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया के निर्देशन एवं रत्नेश मिश्रा उप पुलिस अधीक्षक के मार्ग दर्शन मे एनकेजे पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। एनकेजे थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत ने बताया कि थाना क्षेत्र में नशे पर अंकुश लगाने एवं नशे की अवैध गतिविधियों में रोकथाम के लिए दिए गए निर्देश के तहत 18 मार्च को मोबाइल पेट्रोलिंग के दौरान एनकेजे पुलिस टीम ने बाबाघाट रोशननगर कच्ची रोड सन्यासी बाबा के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को सफेद रंग के थैला लिये देखा। संदेही पुलिस की गाड़ी को देखकर भागकर झाड़ियों में जाकर छिप गया था। बदमाश को स्टाफ ने घेरा बंदी कर पकड़ा गया। भागने व झाड़ियों में छिपने से संदेही पूरी तरह से गीला हो गया था। पास में रखे सफेद रंग का थैला भी गीला हो गया था। पकड़े गए छंगा उर्फ राम विलास निषाद पिता स्व. मिश्री लाल निषाद निवासी प्रेमनगर तिलक कालेज के थैले को खोलकर देखने पर 2 पालीथिन एवं दो खाकी रंग के टेप से लपेटे हुये पैकेट में गांजा कुल 3 किलो 504 ग्राम जब्त किया गया। आरोपी के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का कृत्य पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। कार्रवाई में एएसआई केवल उईके, प्रधान आरक्षक प्रहलाद सैय्याम, प्रधान आरक्षक राजकुमार शर्मा, आरक्षक जयंत कोरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ईदगाह में हजारों ने अदा की नमाज, एक दूसरे से गले मिलकर दी मुबारकबाद

समय जगत, श्योपुर । श्योपुर जिले में ईद-उल-फितर का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर की ईदगाह में हजारों लोगों ने नमाज अदा की, जहां अमीर-गरीब सभी एक ही पंक्ति में खड़े होकर समानता का संदेश दिया। मशहूर शायर डॉ. अल्लामा इकबाल का शेर एक ही सफ में खड़े हो गए महमूदो अयाज, न कोई बंदा रहा न कोई बंदा नवाज इस अवसर पर साकार होता दिखा। शहर काजी अतीक उल्ला कुरैशी के नेतृत्व में सुबह करीब 9 बजे ईदगाह में नमाज अदा की गई। अल्लाहु अकबर की सदा गूंजते ही हजारों नमाजियों ने जहां जगह मिली, वहीं खड़े होकर नमाज की नियत बांधी। इस दौरान सभी ने कंधे से कंधा मिलाकर नमाज अदा की, जो आपसी समानता का प्रतीक था। नमाज के बाद ईद मिलने का सिलसिला शुरू हुआ, जो लगभग एक घंटे तक चला। लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। नए कपड़ों में बच्चे भी काफी उत्साहित दिखे; उन्होंने नमाज से पहले पार्क में खेला और बाद में बड़ों की तरह गले मिलकर खुशियां साझा कीं। शुक्रवार को चांद दिखने के बाद शनिवार को ईद का त्योहार मनाया गया। सुबह से ही किला रोड, कुम्हार मोहल्ला और अस्पताल रोड पर ईदगाह जाने वाले लोगों की भारी भीड़ देखी गई।

ऐसा लग रहा था मानो सभी रास्ते ईदगाह की ओर ही जा रहे हों। इस अवसर पर हिंदू समाज के लोगों ने भी बड़ी संख्या में ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम भाइयों को गले लगाकर मुबारकबाद दी। यह सामाजिक सौहार्द का एक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

सांदीपनि विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, कल से मिलेंगे फार्म

समय जगत, दमोह/जबेरा। शासकीय सांदीपनि विद्यालयए जबेरा ने आगामी शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए अपनी प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह विद्यालय शासन की एक महत्वाकांक्षी योजना के तहत संचालित हो रहा हैए जिसमें इच्छुक अभिभावक 23 मार्च से प्रवेश फार्म प्राप्त कर सकेंगे। प्रवेश के लिए फार्म 23 मार्च से मिलना शुरू होंगे और 30 मार्च को शाम 5 बजे तक जमा किए जा सकेंगे। पात्र बच्चों की सूची 4 अप्रैल शाम को सूचना पटल पर लगाई जाएगी। सूची पर आपत्ति दर्ज करने के लिए तीन दिन का समय दिया जाएगा। दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक। प्रवेश प्रक्रिया मुख्य रूप से केजी-1, कक्षा पहली, छठवीं, नवमीं और ग्यारहवीं कक्षाओं के लिए है। प्राचार्य संजय बाजपेयी ने बताया कि स्कूल का नया भवन निर्माणाधीन है और गत सत्र से ही विद्यालय में केजी 1 से लेकर बारहवीं तक की कक्षाएं संचालित हो रही हैं।

आयु सीमा और आवश्यक दस्तावेजः केजी.1 न्यूनतम 4 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष 6 माह 31 जुलाई की स्थिति में, कक्षा 1, न्यूनतम 6 वर्ष और अधिकतम 7 वर्ष 6 माह 30 सितंबरकी स्थिति में फार्म जमा करते समय बच्चे का जन्म प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी, नवीन एक फोटो और माता-पिता का आधार कार्ड लगाना अनिवार्य होगा। प्रवेश प्राथमिकता विद्यालय से 1 किलोमीटर की परिधि में निवासरत और शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को दी जाएगी। यदि अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो लॉटरी सिस्टम से प्रवेश दिया जाएगा जिसकी सूचना 31 मार्च को दी जाएगी।

संस्कार केन्द्र पर मना वार्षिकोत्सव

सिरोंज। सेवा भारती लक्ष्मीबाई संस्कार केंद्र पंचकुईयां पर दीदी चारु सोनी द्वारा वार्षिक उत्सव मना कर संस्कार केंद्र पर भैया बहनों को मिठाई वितरित कर हिंदू नव वर्ष एवं नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उपस्थित सेवा भारती जिला उपाध्यक्ष अवतार सिंह जी रघुवंशी,डॉ संजीव माथुर,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी विष्णु गर्ग, शरद आर्य ,नगर भाजपा महामंत्री सुमंत मित्तल, सेवा भारती नगर अध्यक्ष गोपाल शर्मा ,जयकुमार माथुर, अनु अग्रवाल, दीदी नेहल द्वारा सेनेटरी किट वितरित की गई एवं बच्चियों को स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गई।

मौज-मस्ती और प्रतियोगिता से भरपूर रहा चौपाल महोत्सव

समय जगत, उज्जैन। तीन दिवसीय चौपाल महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित कार्यक्रमों में बच्चों के लिए अनेक प्रकार के खेल प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त महिलाओं के लिए चेयर रेस रंगोली तथा ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से एरिया मैनेजर पवन घाड़वे, हब इंचार्ज राकेश कुमार पांडेय, उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजय सक्सेना के द्वारा किया गया तथा निदशक निखिल शर्मा ने रहे । कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रमुख रूप से गजानन सोनी ,मुकेश व्यास, रविंद्र कार्तिक, राजेश पाठक, दीपक उपाध्याय तथा रंजीत पटेल की सराहनीय भूमिका रही। उक्त जानकारी राकेश कुमार पांडे के द्वारा दी गई है।

अमन- शांति की दुआ के साथ बुरहानपुर में सादगी से मनाई गई ईद

समय जगत, बुरहानपुर। देशभर सहित बुरहानपुर में ईद उल फ़ित्र के अवसर पर मुस्लिम समाज जनों ने ईदगाह-मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की। बुरहानपुर में शाही ईदगाह पर ईद उल फ़ित्र की विशेष नमाज अदा की गई । जिसमें हज़ारों नामजियों ने एक साथ ईद की नमाज अदा की। जिसमें देश -दुनिया में अमन, शांति के साथ सभी की खुशहाली और तरक्की की दुआ की गई । जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी तफज्जुल हुसैन मुलायमवाला ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मौक़े पर पूर्व सांसद -केंद्रीय मंत्री कांग्रेस नेता अरुण यादव ने ईदगाह पहुंच कर मुस्लिम समाज जनों को ईद की मुबारकबाद दी। इस मौक़े पर अरुण यादव ने सभी की तरक्की- खुशहाली के साथ -साथ शांति -सदभावना व एकजुटता का संदेश दिया। ईद के अवसर कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिंकू टाक ने सभी को गले मिलकर ईद की बधाई दी। इस दौरान कांग्रेस नेता हमीद काजी, रविन्द्र महाजन, अजय रघुवंशी, अमर यादव, अकील औलिया, दिनेश शर्मा, अरुण जोशी, हुज़ेफा मुलायम वाला, किशोर महाजन सहित शैली कीर, इंद्रसेन देशमुख, मोहम्मद मर्चेंट,बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं ने सभी से गले मिलकर ईद की बधाई दी।

अरुण यादव ने दी सभी को दी ईद की मुबारकबाद

ईद की नमाज अदा कर अमन चैन की मांगी दुआ

समय जगत, उचेहरा। नगर में बड़े ही हर्षोल्लास से ईद की खुशियां बांटी गईं। नगर के तीन मस्जिद मदीना ,छोटी छीपहटी सहित कटरा मस्जिद में अलग - अलग समय में नमाज़ अदाकर देश में अमन-चैन की दुआ मांगी गई और मस्जिद से नमाजियों के निकलते ही सामाजिक एकता का भी दीदार हुआ। जहां हुन्दू -मुस्लिम भाइयों ने गले मिल एक- दूसरे को ईद की मुबारक बाद दी। यह शिलशिला काफी देर तक चलता रहा। इस दौरान ऐतिहातन प्रशासन भी मुस्तैद रहा ।काबिले गौर है कि रमजान के एक माह की इबादत के बाद यह मौका आता है, जिसमें एक दूसरे से गले मिल सभी गिले शिकवे भुला दिए जाते हैं ।

सार-समाचार

मीणा समाज ने नर्सिंग मंदिर में धूमधाम से मनाई मीनेश जयंती

समय जगत, खिरकिया। नर्सिंग मंदिर में भगवान मीनेश की जयंती बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई तथा भगवान मीनेश से समाज की सुख-समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसादी के रूप में मिठाई का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में युवा प्रदेश महामंत्री मुकेश पटेल मीणा ने भगवान मीनेश की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही सभी मीणा समाज के बंधुओं ने सामूहिक रूप से पूजा कर एकजुटता और भाईचारे का संदेश दिया। मीनेश जयंती के अवसर पर कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। जिनमें प्रेम पटेल राजेंद्र मीणा, संतोष मीणा जिला अध्यक्ष खंडवा अशोक मीणा महामंत्री शशिकांत मीणा महामंत्री, दुर्गेश मीणा युवा जिला अध्यक्ष विक्रम मीणा, शांतिलाल मीणा नर्सिंग मंदिर अध्यक्ष शुभम मीणा महामंत्री मनीष मीणा मीडिया प्रभारी मनीष मीणा प्रदेश मंत्री बिपिन मीणा युवा उपाध्यक्ष सत्यनारायण मीणा उपाध्यक्ष एवं कुलदीप मीणा उपाध्यक्ष सहित कई लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आयोजन को सफल बनाया।

20 मिनट की बारिश व ओलावृष्टि से मची तबाही, गेहूं और चना की फसल हो गई चौपट

समय जगत, सिलवानी। गत दिवस नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम के अचानक बदले मिजाज ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। दोपहर बाद करीब 20 मिनट तक चली तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश और चने के दाने के बराबर गिरे ओलों ने खेतों में खड़ी और कटी हुई फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया। तेज हवाओं के कारण कई किसानों के खेतों में कटी हुई गेहूं और चने की फसल भीग गई, जिससे उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। जिन किसानों ने फसल काटकर खेतों में ही रखी थी, उन्हें सबसे अधिक नुकसान झेलना पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों जैसे सियरमऊ, खमेरा, ककरुआ और हीरापुर से मिली जानकारी के अनुसार आंधी इतनी तेज थी कि कई स्थानों पर खड़ी फसल जमीन पर गिर गई, वहीं ओलावृष्टि ने चने की फसल को खासा नुकसान पहुंचाया। किसानों का कहना है कि कटाई के समय इस तरह का मौसम उनके लिए बड़ा संकट बन गया है। फसल तैयार होने के बावजूद नुकसान होने से उनकी आर्थिक स्थिति पर सीधा असर पड़ेगा। किसानों ने प्रशासन से तत्काल फसल नुकसान का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। मौसम के इस अचानक बदलाव से जहां एक ओर क्षेत्र में ठंडक बढ़ गई है, वहीं दूसरी ओर किसानों के चेहरों पर चिंता साफ नजर आ रही है।

लोधी समाज ने अबंतीबाई बलिदान दिवस पर आयोजित की रैली

समय जगत, बेगमगंज। रानी अवंती बाई लोधी के 169 वें बलिदान दिवस पर लोधी समाज ने नगर में बाइक रैली निकाली, जो वृन्दावन धाम कालोनी से प्रारंभ हुई और नगर के मुख्य मुख्य मार्गों से होकर सागर रोड़ स्थित लोहामील तिगड्डे से नया बस स्टैंड अवंती बाई मूर्ति के समक्ष तक पहुंची। रैली में दर्जनों मोटरसाइकिल सवार लोग हाथों में ध्वज पताका लेकर शहीद वीरांगना रानी अवंती बाई अमर रहे के नारे लगाते हुए चल रहे थे। लोधी समाज के युवाओं के द्वारा रानी अवंती बाई की शोभा यात्रा बड़े ही धूमधाम से ढोल नगाड़ों के साथ निकली गई। शोभा यात्रा में लोधी समाज के लोग काफी संख्या में मौजूद रहे। शोभा यात्रा के पश्चात समाज की जनप्रतिनिधियों के द्वारा शहीद वीरांगना रानी अवंती बाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके बलिदान दिवस पर सभी ने याद किया। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ भगवान सिंह लोधी, बृजेंद्र सिंह बड़ेदा, नगरपालिका अध्यक्ष संदीप लोधी, मेहरबान सिंह लोधी, जाहर सिंह लोधी, हरिओम लोधी, जगदीश लोधी, यशवंत सिंह लोधी, जिला पंचायत सदस्य मोहित लोधी, जनपद सदस्य लोकेंद्र सिंह लोधी, पार्षद बृजेश लोधी, युवा समाज अध्यक्ष दिनेश लोधी, गोकरन पटेल, खूब सिंह लोधी, सुल्तान लोधी आदि थे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर निकाली यात्रा

समय जगत, बेगमगंज। देश की एकता और सेवा का संकल्प लेकर सरदार एकता रथयात्रा गुजरात से शुरू हुई। यात्रा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर निकाली गई। राष्ट्रीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय सचिव सतीश भाई पटेल के नेतृत्व में इसकी शुरुआत हुई। जीवी पटेल, बाबूभाई पटेल, अमीषा पटेल, राम भाई पटेल, ईश्वर भाई पटेल साथ रहे सभी गुजरात से के साथ चल रहे हैं यात्रा पूरे भारत के कोने-कोने तक जाएगी। 20 मार्च को रथयात्रा विदिशा से बेगमगंज पहुंची। जहां क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र पटेल के नेतृत्व में भव्य अगवानी हुई। वहीं कुर्मी क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष दीपक पटेल, जिला अध्यक्ष भरत पटेल की उपस्थिति में बाइक रैली शामिल कर यात्रा का नेतृत्व किया।

मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले का भव्य शुभारंभ

शेगांव की तर्ज पर निकली दिव्य दिंडी पदयात्रा, अर्चना चिटनिस हुईं शामिल

समय जगत, बुरहानपुर। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम धामनगांव स्थित मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले का शुभारंभ अत्यंत दिव्य, भव्य और आध्यात्मिक वातावरण में हुआ। महाराष्ट्र के शेगांव की तर्ज पर आयोजित दिंडी पदयात्रा ने इस मेले को धार्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक भव्यता से परिपूर्ण कर दिया। ग्राम बंभाड़ा से प्रारंभ हुई यह दिंडी यात्रा जय हरी विठ्ठल, श्री हरी विठ्ठल के गूंजते जयघोषों के साथ मां वाघेश्वरी मंदिर ग्राम धामनगांव में ग्रामोदय मेले में पहुंची। विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) ने भगवान विट्ठल एवं पालकी का विधिपूर्वक पूजन कर यात्रा का शुभारंभ किया और स्वयं पदयात्रा में शामिल होकर श्रद्धालुओं के साथ पूरे मार्ग में भक्ति भाव से सहभागिता निभाई। उनके साथ चलने से भक्तों में विशेष उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली।

ग्रामोदय मेले के शुभारंभ पर उमड़ा आस्था का सागर: मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले के शुभारंभ अवसर पर निकली इस दिंडी पदयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता रही। शहर और ग्रामीण अंचलों से आए विठ्ठल भक्तों ने इस आयोजन को आस्था के महासागर में परिवर्तित कर दिया। मृदंग, मंजीरे, वीणा और लेजिम की मधुर धुनों पर भजन-कीर्तन करते श्रद्धालु आगे बढ़ते रहे। हर ओर हरी विठ्ठल के नाम का संकीर्तन गूंजता रहा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

शेगांव की परंपरा का जीवंत दर्शन: दिंडी यात्रा में महाराष्ट्र की वारकरी परंपरा की सजीव झलक दिखाई दी। पुरुष सफेद कुर्ता-पायजामा और मराठी टोपी में, जबकि महिलाएं पीली और केसरिया साड़ियों में भक्ति में लीन नजर आईं। यह दृश्य ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो शेगांव की पवित्र वारी परंपरा बुरहानपुर की धरती पर साकार हो गई हो।

धामनगांव में हुआ भव्य स्वागत, मेले का शुभारंभ: ग्राम धामनगांव पहुंचने पर दिंडी पदयात्रा का पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया। मां वाघेश्वरी मंदिर में आरती और पूजन के साथ ग्रामोदय मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। मंदिर परिसर जयघोषों और घंटानाद से गुंजायमान हो उठा।

9 दिनों तक आस्था, संस्कृति और विकास का संगम: मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेला 19 मार्च से 27 मार्च (श्रीराम नवमी) तक आयोजित होगा। इस दौरान प्रतिदिन धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी। कीर्तन, भजन संध्या, लावणी नृत्य, पारंपरिक दंगल, व्यायामशाला प्रदर्शन और ख्याति प्राप्त कलाकारों की प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहेंगी। मेले के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताएं, कृषि आधारित प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीकों की जानकारी और हस्तशिल्प बाजार का आयोजन किया गया है। यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और विकास को भी नई दिशा देने वाला मंच बन गया है। विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस पिछले 16 वर्षों से इस मेले के दौरान गांव में रहकर साधारण झोपड़ी में रात्रि विश्राम करती हैं और ग्रामीणों के बीच रहकर जनजागरण का कार्य करती हैं। मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेला आज एक ऐसा आयोजन बन चुका है, जहां आस्था, संस्कृति और विकास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह मेला न केवल धार्मिक भावनाओं को सशक्त करता है, बल्कि समाज को एकजुट कर प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य भी कर रहा है।

रामराज्य की स्थापना के लिये हमें भगवान राम के चरित्र को करना होगा आत्मसात : ओंकारानंद सरस्वती

समय जगत, इटारसी। संपूर्ण नर्मदांचल की आस्था के प्रमुख केंद्र श्री द्वारकाधीश बड़ा मंदिर परिसर तुलसी चौक में 63वें वर्ष में श्री रामजन्म महोत्सव अंतर्गत श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर परिसर में प्रतिदिन धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। इस वर्ष श्रीमद प्रयागपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ओंकारानंद सरस्वती महाराज बाल्मीकि एवं तुलसीदासकृत रामायण पर प्रवचन दे रहे हैं। आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक क्षेत्रीय विधायक डॉ सीतासरन शर्मा एवं संरक्षक प्रमोद पगारे पत्रकार के मार्गदर्शन में श्री द्वारकाधीश मंदिर परिसर में श्रीराम कथा के द्वितीय दिवस व्यासपीठ पर विराजे महाराज श्री का स्वागत एवं पूजन समिति के अध्यक्ष नीरज जैन, कार्यकारी अध्यक्ष विपिन चांडक, उपाध्यक्ष विष्णु शंकर पांडे, सचिव अभिषेक तिवारी, संयुक्त सचिव शैलेन्द्र दुबे, कोषाध्यक्ष प्रकाश मिश्रा, सहकोषाध्यक्ष अमित सेठ, देवेंद्र पटेल, एमएल गौर, दिनेश सैनी, पतंजलि परिवार, रेवांचल गौर कुर्मी क्षत्रिय समाज, सेन समाज सहित अन्य लोगों एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने किया। व्यासपीठ से संबोधित करते हुए महाराज श्री ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य और ऐतिहासिक मंदिर बन चुका है। रामराज्य की कल्पना सभी को है रामराज आना भी चाहिए पर अकेले सरकारों के भरोसे रामराज नहीं आएगा इस कार्य हेतु हमारा भी सहयोग जरूरी है और हमें करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्म प्रधान विश्व करि राखा कर्म ही जीवन में प्रधान है। रामराज्य की स्थापना के लिये सभी को भगवान राम के चरित्र को आत्मसात करना होगा।

धूमधाम से मनता है गणगौर का पर्व 16 दिनों तक होता है पूजन-अर्चन

नरेन्द्र शर्मा, समयजगत माचलपुर। नगर में धूमधाम से लड़कियां और महिलाएं गणगौर का पर्व (व्रत) मनाती हैं ,भगवान शिव और मां पार्वती का यह व्रत महिलाओं और कन्याओं के लिए ही है। लड़कियां इस व्रत को भगवान शिव जैसे पति की कामना हेतु करती हैं एवं महिलाएं अपने पति के स्वास्थ्य एवं दीर्घायु हेतु करती हैं । यह व्रत होलिका दहन के दूसरे दिन यानी पड़वा से प्रारंभ होता है एवं चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन तक चलता है। यह व्रत लगभग पूरे देश में मनाया जाता है , गणगौर की तीज के दिन तक माता पार्वती अपने पीहर में रहती हैं, उसके बाद माता पार्वती को अपने ससुराल भेज दिया जाता है। इसमें ईश्वर,गौरा और बासक जी की पूजा की जाती है। हजारों की संख्या में महिलाएं कार्यक्रम में शामिल होती हैं। महिलाओं द्वारा गणगौर के गीत गाए जाते हैं ,गणगौर के दिनों में महिलाएं और लड़कियां बाग देती हैं। जिसमें जिन महिलाओं का विवाह उस वर्ष हुआ हो उनके द्वारा बाग दिया जाता है। बाग में महिलाए नाचती ,गाती हैं और भोजन या नाश्ता करके पूरे नगर में जुलूस निकालते हुए घर जाती हैं। गणगौर के 16 पुत्र होते हैं, जिनकी भी पूजा की जाती है।

ऐसी मान्यता है कि जिनके संतान नहीं होती है, वह इस दिन बिना किसी को बताए अगर गणगौर माता के पुत्र को चुरा कर ले जाए तो अगले वर्ष गणगौर तक संतान प्राप्ति होती है। ,बता दें कि गणगौर विसर्जन के समय गणगौर माता के सोलह पुत्रों में से अगर एक भी पुत्र कम है तो माता विसर्जित नहीं होती, पानी में तैरती रहती हैं। जब उनके पुत्रों की संख्या 16 हो जाती है तभी विसर्जित होती हैं।

धूमधाम से मनाया गया विधायक देवेंद्र पटेल का जन्मदिन

समय जगत, बेगमगंज। सिलवानी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं रायसेन जिला कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र पटेल का जन्मदिन गत दिवस बेगमगंज स्थित उनके निवास पर हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। जन्मदिन के अवसर पर विधायक देवेंद्र पटेल ने सर्वप्रथम टेकरी माता मंदिर पहुंचकर भगवान की पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां भगवती की विधिवत पूजा कर चुनरी अर्पण की और श्रीफल चढ़ाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान छोटी-छोटी कन्याओं को देवी स्वरूप मानते हुए उनका तिलक कर चुनरी ओढ़ाई तथा उनसे आशीर्वाद लिया। ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा संपन्न हुई और क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की गई। विधायक रानी अबंती बाई लोधी के प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचे। जिसके उपरांत लोधी समाज के द्वारा विधायक का भव्य स्वागत किया गया। वहीं ब्राम्हण युवा महासभा बेगमगंज, सुल्तानगंज के द्वारा भी विधायक का भव्य स्वागत किया गया।

इसके बाद विधायक के निज निवास पर समर्थकों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में पहुंचे समर्थकों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। जगह-जगह स्वागत मंच बनाए गए, केक कटिंग कार्यक्रम आयोजित हुए तथा सामाजिक सेवा गतिविधियां भी संपन्न कराई गईं। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र पटेल ने कहा कि क्षेत्र की जनता का स्नेह और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। वे सदैव क्षेत्र के विकास और जनसेवा के लिए समर्पित रहेंगे। समर्थकों का कहना है कि विधायक द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों के कारण जनता में उनके प्रति विशेष लगाव और सम्मान है। पूरे आयोजन को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जनोत्सव के रूप में मनाया, जिससे नगर में उत्साह का वातावरण बना रहा। इस दौरान बेगमगंज, सिलवानी, गैरतगंज, बरेली, उदयपुरा, मंडीदीप, रायसेन सहित पूरे जिले से उनके समर्थक और कांग्रेस कार्यकर्ता बधाई देने पहुंचे।

सिलवानी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया चैत्र नववर्ष

समय जगत, सिलवानी। भारतीय जनता पार्टी मंडल सिलवानी द्वारा चैत नववर्ष का पर्व बड़े ही धूमधाम, हर्षोल्लास और उत्साह के साथ बजरंग चौराहे पर मनाया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं आतिशबाजी के माध्यम से नववर्ष का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी नागरिकों को तिलक लगाकर नववर्ष की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष श्याम साहू, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष राजीव सोनी 'रानू', विश्वश्व हिंदू परिषद के राहुल नामदेव, जिला मंत्री संदीप शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष पुनीत समैया, संदीप जैन 'जीके', समाजसेवी मुकेश साहू, प्रियांशु राजपूत, आलोक रघुवंशी, संजू सेन, विकास साहू सहित नगर के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को चैत नववर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए समाज में एकता, भाईचारे और समृद्धि की कामना की।

गंगा-जमुनी तहज़ीब की दिखी झलक: एनटीपीसी सिंगरौली में धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया ईद-उल-फितर

भाईचारे और सामुदायिक एकता के साथ मनाई गई ईद

समय जगत, सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली, शक्तिनगर में इस वर्ष भी ईद-उल-फितर का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित भव्य इफ्तार एवं ईद मिलन समारोह में एनटीपीसी कर्मचारियों, उनके परिवारजनों तथा आसपास के क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में लोगों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को एक जीवंत एवं यादगार स्वरूप प्रदान किया। एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा सभी के लिए इफ्तारी का विशेष एवं भव्य आयोजन किया गया, जहां उपस्थित सभी लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और सामाजिक समरसता एवं भाईचारे का संदेश प्रसारित किया। पूरा वातावरण उल्लास, आत्मीयता और सांस्कृतिक एकता की भावना से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सी. एच. किशोर कुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), एनटीपीसी सिंगरौली रहे। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने कहा कि ईद का यह पावन पर्व हमें प्रेम, त्याग, सेवा और भाईचारे का संदेश देता है। ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने के साथ-साथ विभिन्न समुदायों के बीच आपसी विश्वास और सौहार्द को और मजबूत बनाते हैं। उन्होंने सभी को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी

के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर रश्मि रंजन मोहंती, महाप्रबंधक (परियोजना) ने अपने संबोधन में कहा कि एनटीपीसी सिंगरौली सदैव सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने की परंपरा का पालन करता रहा है। ऐसे आयोजन हमें एक सूत्र में पिरोते हैं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। कार्यक्रम में मोहम्मद खालिदजुम्मा, अपर महाप्रबंधक (एफ क्यू ए), एश एम सिद्दीकी, अपर महाप्रबंधक (राख प्रबंधन), नरेश कुमार, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), सहित यूनियन एवं एसोसिएशन के मानद प्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिवारजन तथा स्थानीय क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम को एक भव्य जन-उत्सव का रूप प्रदान किया।

कार्यक्रम का सफल आयोजन एनटीपीसी सिंगरौली की ईद मिलन समिति द्वारा किया गया, जिसने आपसी सद्भाव, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। यह आयोजन न केवल एक पर्व के उत्सव तक सीमित रहा, बल्कि समाज में एकता में शक्ति के संदेश को सशक्त रूप से स्थापित करते हुए एनटीपीसी सिंगरौली की सामाजिक प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल 462011 से मुद्रित कर जी-1 गोयल निकेत अपार्टमेंट प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1 एमपी नगर भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। पिन नं. 462011, संपादक **अभिनव त्रिपाठी।**
RNI-MPHIN/2004/13180 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। **फोन :** 0755-4700402, ई-मेलः dainiksamayjagat@gmail.com